कहानियाँ

कक्षा : 6–8

स्तर- 1 & 2

मनीष सिसोदिया
MANISH SISODIA

सत्यमेव जयते

उप मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार
दिल्ली सचिवालय, आई.पी. एस्टेट,
नई दिल्ली–110002

Deputy Chief Minister, GNCTD
Delhi Secretariat, I.P. Estate,
New Delhi-110002

प्यारे बच्चों,

जैसाकी आप जानते हैं आज पूरी दुनिया कोरोना महामारी से लड़ रही है।इसी कारण हमारे स्कूलों में पढ़ने वाले आप जैसे बच्चे पिछले डेढ़ साल से स्कूल से दूर है।ऐसे में हमने आप सभी से ऑनलाइन क्लास, वर्कशीट आदि अन्य माध्यमों के द्वारा संपर्क बनाए रखा है।

कोरोना के कारण आप सभी को न तो स्कूल आने का मौका मिला और न ही मिशन बुनियाद से जुड़ने का मौका मिल पाया, पर अबस्कूल खुलने के बाद आप सभी मिशन बुनियाद का हिस्सा होंगे| मिशन बुनियाद की क्लास में आप सभी को उस स्तर से सिखाना शुरू किया जाएगा जहां आप सभी आज होऔर आपको उस स्तर पर ले जाने का काम किया जाएगा जहाँ आप पहुंचना चाहते है| मिशन बुनियाद के द्वारा हम आपको सफल होने का हर वो मौका देना चाहते है जिसकी आपको ज़रूरत है|

बच्चों की शुरूआती पढ़ाई के लिए ज़रूरी है कि उन्हें पढ़ना-लिखना और बेसिक गणित के सवालों को हल करना आना चाहिए| इन्ही क्षमताओं के आधार पर आगे की कक्षाओं में शिक्षक अन्य सभी विषयों को सिखा सकते है| मिशन बुनियाद के द्वारा हमारा ये सुनिश्चित करने का प्रयास रहेगा कि 'कोई भी बच्चा पीछे न छुटे' और शिक्षा के अपने बुनियाद को मजबूत बनाए|

मैं आशा करता हूँ कि आप सभी बच्चे मिशन बुनियाद में सीखकर आगे बढ़ेंगे और भारत को शिक्षित एवम समर्थ राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे|

शुभकामनाओं सहित

मनीष सिसोदिया

हिंदी की 'बुनियाद' हमारी, हमको लगती सबसे प्यारी
कहानियाँ हैं यहाँ हमारी, छोटी-छोटी, प्यारी-न्यारी
तरह-तरह के खेल खिलाती, गतिविधियों से हमें सिखाती
बच्चे लिखें नई कविताएँ, शब्द-चित्र से कहीं मिलाएँ।
वर्ण जोड़कर शब्द बनाएँ, नए शब्द का पता लगाएँ
रोचक हैं इसके अभ्यास, देती खुशियों का अहसास।

संपादन सहयोग :

- हरिशंकर स्वर्णकार, मेंटर टीचर
- भावना सावनानी, मेंटर टीचर
- शीतल, मेंटर टीचर
- रुचि वली, मेंटर टीचर
- सीमा बलूनी, मेंटर टीचर
- कृष्ण कुमार, मेंटर टीचर
- शिव कुमार, प्रथम एजुकेशन फॉउण्डेशन
- सायरा बानो, प्रथम एजुकेशन फॉउण्डेशन
- फ़ैयाज़ अहमद, प्रथम एजुकेशन फॉउण्डेशन

कक्षा : 6–8

स्तर–1

विषय सूची

नीली नीली नीलू	शाहिद अनवर	04
अली	चंचल शर्मा	06
पतंग	चंचल शर्मा	08
आम गिरा- धप्प!	सर्वेन्द्र विक्रम	10
छुनछुन की छतरी	अक्षय दीक्षित	12
सी-सी सीटी	शाहिद अनवर	14
राखी	चंचल शर्मा	16
मेमना	चंचल शर्मा	18
सानिया और तितली	दीप्ति तिवारी	20
नदी पार चले	पूजा गौड़	22
बारिश	चंचल शर्मा	24
पेंसिल के टुकड़े	चंचल शर्मा	26
शरारत	बबली पाण्डेय	28
बारिश के बाद	बबली पाण्डेय	30
एक के बाद एक खेल	अनुराधा	32
गीली बालू	दीप्ति तिवारी	34
काग़ज़ का टुकड़ा	चंचल शर्मा	36
बगु और भैंसू	सौमित्र दास	38
आँख मिचौली	शैलेन्द्र सिंह	40
चींटी और जलेबी	वन्दना प्रधान	42
गिलहरी	चंचल शर्मा	44
चिड़िया और चींटी	सुशीला	46
नन्हीं चिड़िया	मीना शर्मा	48
साथ-साथ	कार्तिक घोष	50
नक़लची राबिया	बबली पाण्डेय	52
चीकू दुकानदार	गीता प्रधान	54

नीली नीली नीलू

एक लड़की थी। वह अपनी माँ के साथ रहती थी। उसे नीला रंग अच्छा लगता था। वह सोचने लगी कि दुनिया में कितनी चीज़ें नीली हैं।

आसमान नीला है। समुद्र का पानी नीला है। कुछ मछलियाँ भी नीली होती हैं। कभी–कभी नीली चिड़ियाँ भी दिखाई देती हैं। यह देखकर माँ ने उसका नाम नीलू रख दिया।

नीली नीली नीलू

प्र.1 अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाइए।

ल + ड़ + की = ...

दु + नि + या = ...

चि + ड़ि + या = ...

म + छ + लि + याँ = ...

आ + स + मा + न = ...

प्र.2 आपको अपने आसपास कौन–कौन सी नीली चीज़ें दिखाई देती हैं? उनके नाम लिखिए।

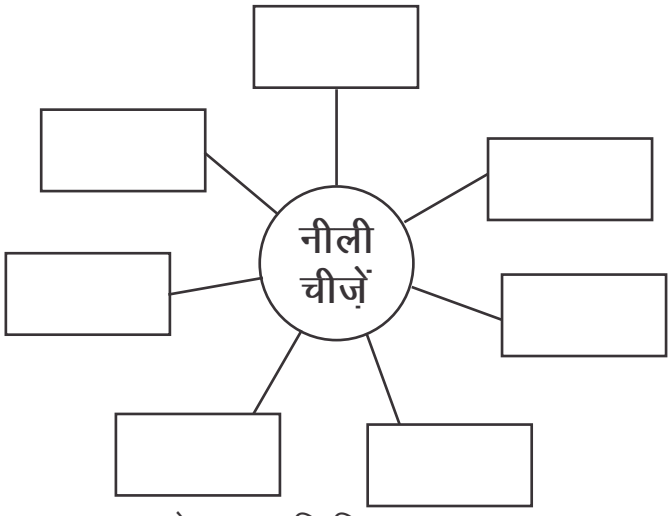

प्र.3 दिए गए शब्दों के समान लय वाले शब्द लिखिए।

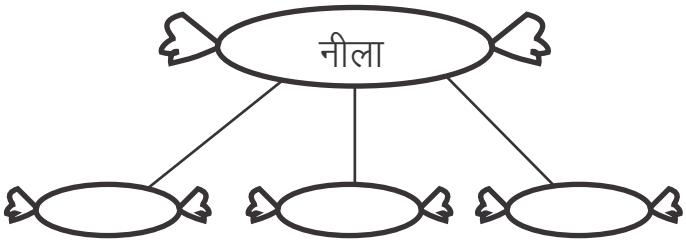

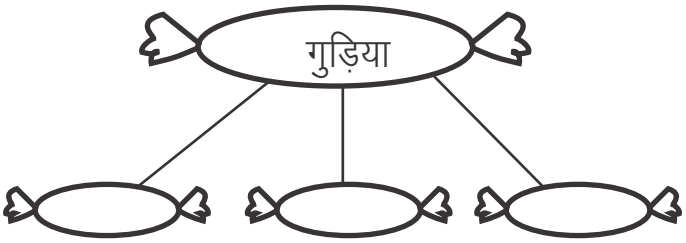

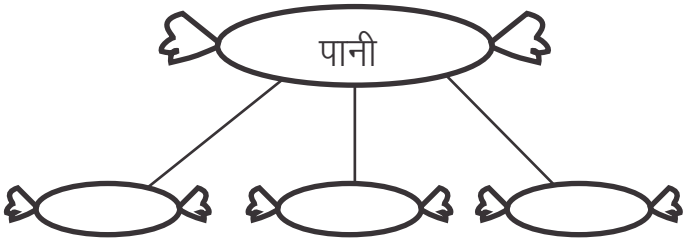

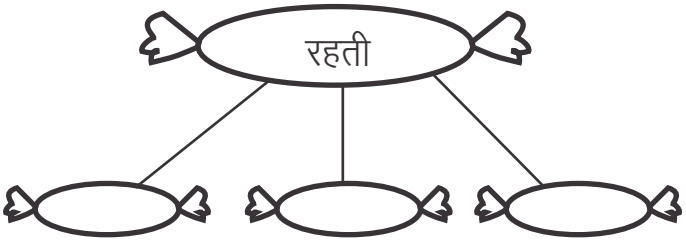

प्र.4 माँ ने लड़की का नाम नीलू क्यों रख दिया?

.....

.....

.....

अली

अली घर में पढ़ाई कर रहा था। तभी उसकी नज़र बाहर नल पर पड़ी। नल से पानी ज़मीन पर टपक रहा था। आसपास का फ़र्श गीला हो गया था।

अली ने एक लोटा नल के नीचे रख दिया। पानी अब लोटे में गिरने लगा। थोड़ी देर में लोटा पानी से भर गया। अली ने लोटे का पानी पौधों में डाल दिया।

चित्रांकन : पार्थो सेन गुप्ता

लेखक : चंचल शर्मा

अली

प्र.1 नीचे दिए गए शब्दों की अलग–अलग आवाज़ें लिखिए।

उदाहरण :

पढ़ाई = प + ढ़ा + ई

ज़मीन = ... + ... + ...

पौधे = ... + ...

लोटा = ... + ...

आसपास = ... + ... + ... + ...

प्र.2 सही आवाज़ को चुनकर ख़ाली स्थान भरिए।

अ ..... (लि / ली)

..... ला (गि / गी)

..... धों (पो / पौ)

थो ..... (ड़ि / ड़ी)

प्र.3 नीचे दिए गए चित्र में पौधे के भागों के नाम लिखिए।

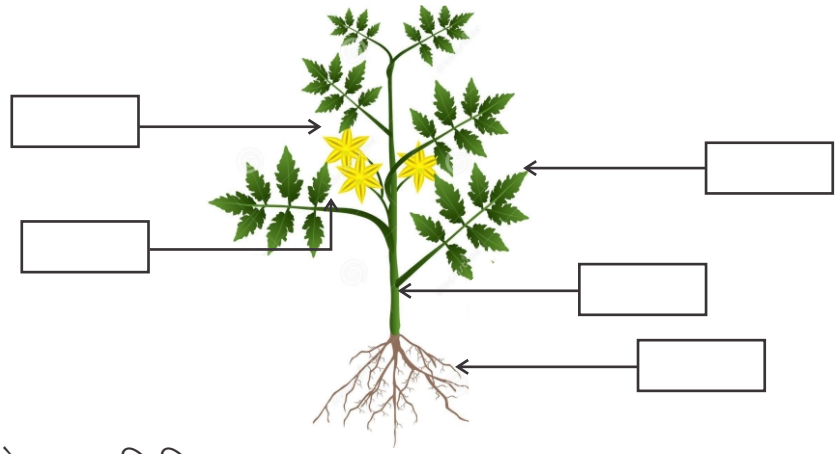

प्र.4 उल्टे अर्थ वाले शब्द लिखिए।

जैसे :	**दिन**	-	**रात**	थोड़ा	-	.....
	बाहर	-	.....	गिरना	-	.....
	ऊपर	-	.....	गीला	-	.....

प्र.5 अली ने लोटे के पानी का क्या किया?

.....

.....

पतंग

पिताजी बंटी के लिए पतंग ख़रीद कर लाए। बंटी ने पतंग को खिड़की के पास रख दिया। रात में तेज़ बारिश हुई। सुबह बंटी की आँख खुली। उसने देखा कि पतंग पानी में भीग चुकी थी। बंटी गीली पतंग देखकर उदास हो गया। तभी माँ की आवाज़ आई। माँ के हाथों में गोंद, काग़ज़ और झाड़ू की तीलियाँ थीं।

चलो, हम अपनी पतंग ख़ुद बनाते हैं – माँ ने कहा। दोनों ने झटपट पतंग बना ली। पतंग पर लिखा – बंटी और माँ की पतंग।

पतंग

प्र.1 नीचे दी गई पतंग में अपने मनपसंद रंग भरकर उस पर अपना नाम लिखिए।

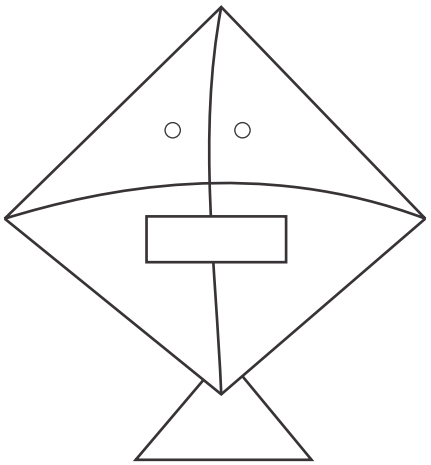

प्र.2 नीचे दिए गए शब्दों में सही स्थान पर अनुस्वार (ं) का चिह्न लगाइए।

(1) पतग (2) बटी (3) गोद (4) सुदर

प्र.3 आवाज़ों को जोड़कर शब्द बनाइए।

पि + ता + जी = पिताजी

खि + ड़ + की = ...

बा + रि + श = ...

ती + लि + याँ = ...

प्र.4 कहानी में से ऐसे शब्दों को ढूँढकर लिखिए जिनमें 'त' अक्षर आया है।

_____ _____ _____

_____ _____ _____

प्र.5 पतंग के अलावा आसमान में और क्या–क्या उड़ता हुआ दिखाई देता है?

_____

_____

आम गिरा- धप्प!

जंगल में पेड़ से एक आम गिरा– धप्प! धप्प की आवाज सुनकर सारे जानवर डरकर भागे। आम तो उसी जगह पड़ा रह गया। कुछ दिनों बाद सिर्फ़ उसकी गुठली बची।

धीरे–धीरे पत्तों और मिट्टी ने उस गुठली को ढँक दिया। कई दिनों तक लगातार बरसात होती रही। फिर कुछ समय के बाद उस जगह एक पौधा निकल आया। कुछ सालों बाद वह पौधा एक बड़ा छायादार पेड़ बन गया।

आम गिरा– धप्प!

प्र.1 चित्र देखकर नीचे दिए गए बॉक्स में लिखिए कि इस ठेले पर कौन–कौन से फल हैं?

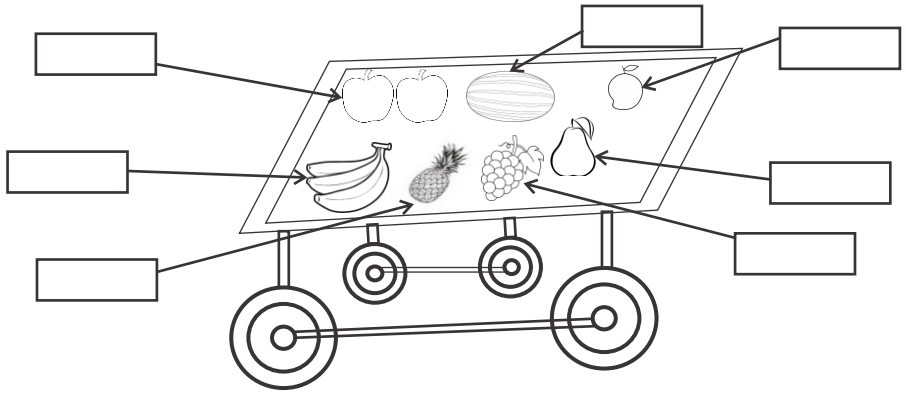

प्र.2 नीचे दिए गए अक्षरों से बनने वाले शब्द कहानी से ढूँढकर लिखिए–

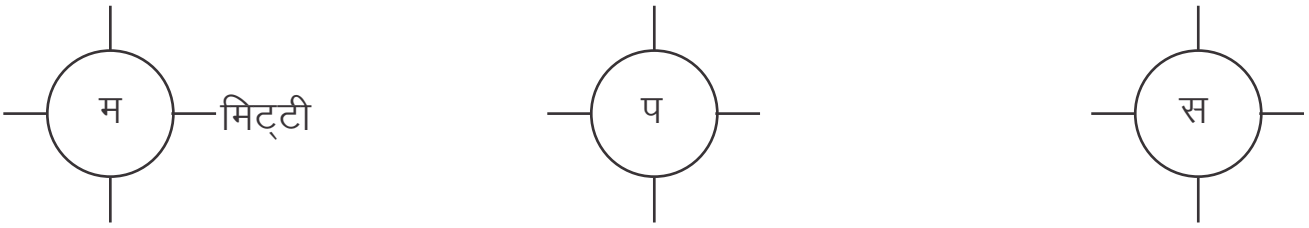

प्र.3 समान लय वाले शब्द लिखिए।

आम – दाम, नाम, काम, जाम

पेड़ –

जंगल –

बड़ा –

पड़ी –

प्र.4 नीचे दी गई वर्ग पहेली में शब्दों को ढूँढकर गोले लगाइए।

ड	ज	स	ब	का
जं	ग	ल	र	ध
ढ	ह	म	सा	रे
पौ	धा	ज	त	क
गु	ठ	ली	पे	ड़

प्र.5 कहानी के अनुसार गोले में दिए गए शब्दों को सही क्रम में लिखिए।

पेड़ पौधा गुठली आम

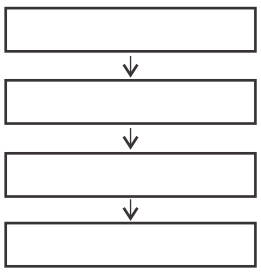

छुनछुन की छतरी

छुनछुन ने एक काग़ज़ लिया। पेंसिल छीली। काग़ज़ पर छतरी बनाई। वह उसे रंगने लगी। रंग भरते समय काग़ज़ फट गया। अब उसने पुराना अख़बार उठाया। उसे फाड़कर उसकी छतरी बनाई। वह उसे अच्छी नहीं लगी।

अब छुनछुन को भूख लगी। उसने एक संतरा लिया। उसने संतरा छीला। संतरे का छिलका छतरी जैसा ही था। छिलके में छुनछुन ने पेंसिल फँसा ली। छुनछुन की छतरी बन गई।

चित्रांकन : मित्रारुन हल्दर

लेखक : अक्षय दीक्षित

छुनछुन की छतरी

प्र.1 छतरी पर दिए गए रंगों के नाम के अनुसार रंग भरिए।

प्र.2 कहानी में से ऐसे शब्दों को ढूँढकर लिखिए जिनमें 'छ' अक्षर आए हों।

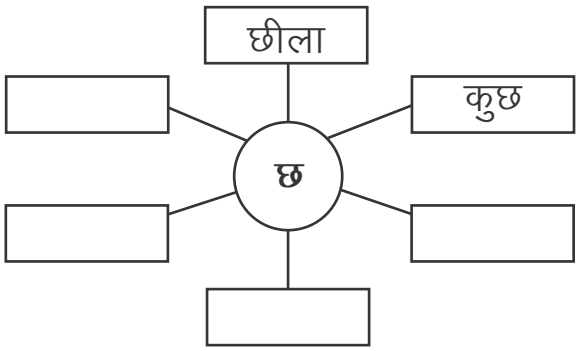

प्र.3 बूझो तो जानें।

सफ़ेद रंग की छतरी हूँ मैं
नाम है मेरा 'म' से
पाई जाती गीली जगहों पर
खाई जाती बड़े मज़े से।

प्र.4 वे कौन–कौन से फल हैं जिनको छिलकर खाया जाता है? उनके नाम लिखिए।

_____ _____ _____

_____ _____ _____

प्र.5 आप छतरी का उपयोग किन–किन कामों में करते हैं? लिखिए।

_____

_____

_____

सी–सी सीटी

एक ठेले पर बहुत सारी सब्ज़ियाँ रखी हुई थीं। सब्ज़ियाँ आपस में बातें कर रही थीं। लेकिन भिंडी आज बहुत उदास थी।

भिंडी को ख़ुश करने के लिए लौकी ने लेटे–लेटे बाँसुरी बजाई। भिंडी नहीं हँसी। बैंगन ने बैठे–बैठे तबला बजाया। भिंडी फिर भी नहीं हँसी।

मिर्ची सोचने लगी कि उसे न तो गाना आता है और न ही बजाना। इसलिए वह सी–सी करके सीटी बजाने लगी। मिर्ची की सीटी सुनते ही भिंडी हँस पड़ी। सभी सब्ज़ियाँ ख़ुश हो गईं और नाचने लगीं।

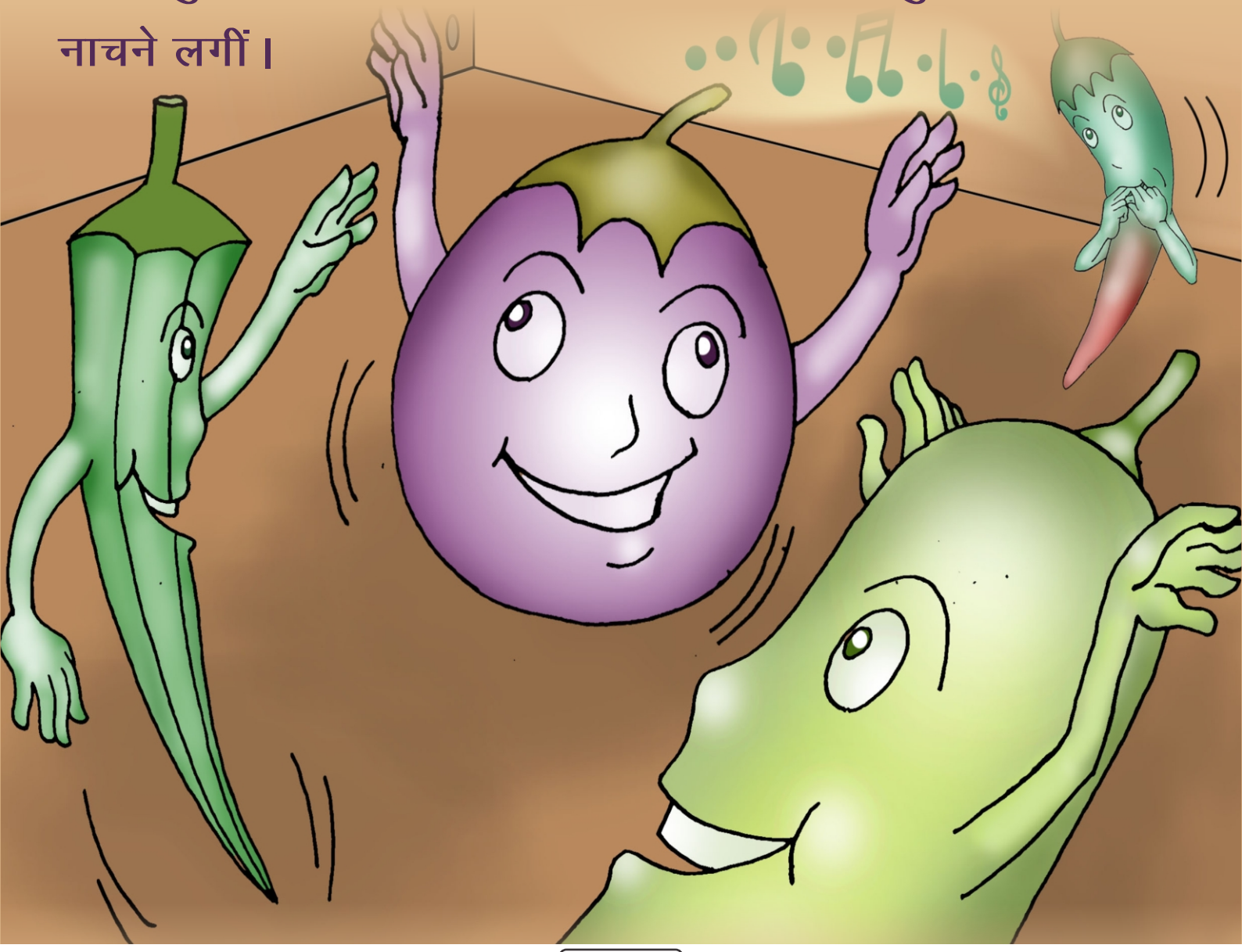

सी–सी सीटी

प्र.1 नीचे दिए गए वाद्य यंत्रों के नाम लिखिए।

_____

_____

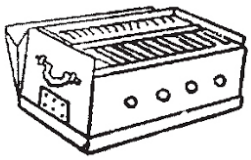

_____

_____

_____

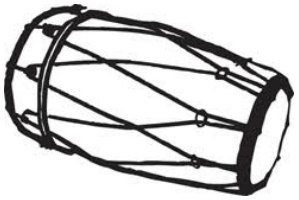

_____

प्र.2 उन फलों एवं सब्ज़ियों के नाम लिखिए जिनको आप खाना पसंद करते हैं।

_____ _____ _____ _____ _____

प्र.3 नीचे दी गई वर्ग पहेली में से शब्दों को ढूँढकर उप पर घेरा लगाइए।

(संकेत) बाएँ से दाएँ–

1. तीखी–तीखी–मिर्ची
2. इसे घीया भी कहते हैं।
3. इन्हें खाने से सेहत अच्छी होती है।
4. बैंगन ने बजाया था।
5. मिर्ची जैसी हरी–हरी।
6. ..... सुनकर भिंडी हँस पड़ी।
7. लौकी ने लेटे–लेटे बजाया।

मि	र्ची	ड	लौ	की
ढ	स	ब्जि	याँ	त
त	ब	ला	भिं	डी
सी	टी	बाँ	सु	री
ठे	ला	बैं	ग	न

प्र.4 नीचे दी गई चीज़ों से क्या–क्या बनाए जाते हैं?

1. मिर्ची _____ _____
2. भिंडी _____ _____
3. लौकी _____ _____
4. बैंगन _____ _____

प्र.5 सब्जियाँ खाना हमारे लिए क्यों जरूरी है?

_____

_____

_____

राखी

एक दिन बाद रक्षाबंधन का त्योहार था। आस पड़ोस में ख़ूब तैयारियाँ चल रही थीं। लोग राखी और मिठाइयाँ ख़रीद रहे थे। सोनी और मोनी ने भी राखी ख़रीदी। अगले दिन दोनों सोचने लगीं कि वे किसको राखी बाँधें। मोनी ने माँ से पूछा– माँ हम किसे राखी बाँधें?

माँ ने मुस्कराते हुए जवाब दिया– तुम अपनी प्यारी बहन सोनी को राखी बाँधो। अभी उसी ने तुम्हें गिरने से बचाया था। सोनी ने अपना हाथ आगे बढ़ाते हुए कहा– मोनी तुम यहाँ मेरे हाथ पर राखी बाँधो। सोनी की बात सुनकर मोनी ने उसके हाथ पर राखी बाँध दी। राखी बाँधते ही मोनी खुशी से उछल पड़ी।

चित्रांकन : पार्थो सेन गुप्ता

लेखक : चंचल शर्मा

राखी

प्र.1 नीचे दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

राखी .....

मिठाइयाँ .....

त्योहार .....

माँ .....

प्र.2 राखी बनाने के लिए किन–किन चीज़ों की आवश्यकता होती है? लिखिए।

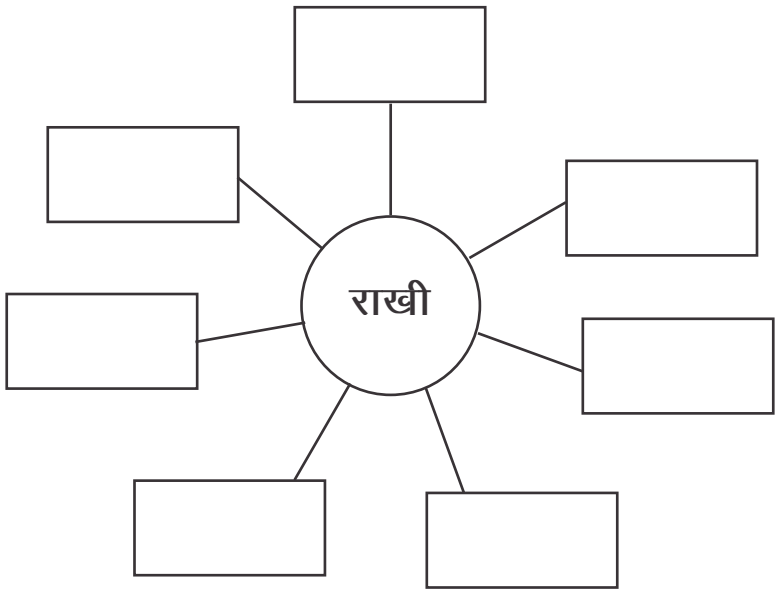

प्र.3 नीचे दिए गए अधूरे शब्दों को पूरा कीजिए–

मिठा__याँ

रा__

__हन

ख __द

हा__

प्र.4 पाठ में आए अनुनासिक (ँ) शब्दों को ढूँढकर लिखिए–

_____ _____ _____ _____ _____

प्र.5 आप कौन–कौन से त्योहार मनाते हैं? उनके नाम लिखिए।

_____ _____ _____ _____ _____

मेमना

बेला साइकिल चला रही थी। तभी उसे किसी मेमने की मिमियाने की आवाज़ सुनाई दी। बेला ने मुड़कर देखा। गड्ढे के अंदर से मिमियाने की आवाज़ आ रही थी। बेला साइकिल से उतरकर गड्ढे के पास पहुँची। उसने गड्ढे में झाँककर देखा।

गड्ढे में बकरी का मेमना गिरा हुआ था। वह बाहर नहीं निकल पा रहा था। बेला हिम्मत करके गड्ढे में उतर गई। उसने मेमने को गड्ढे से बाहर निकाल दिया। मेमना फुदककर अपनी माँ के पास पहुँच गया।

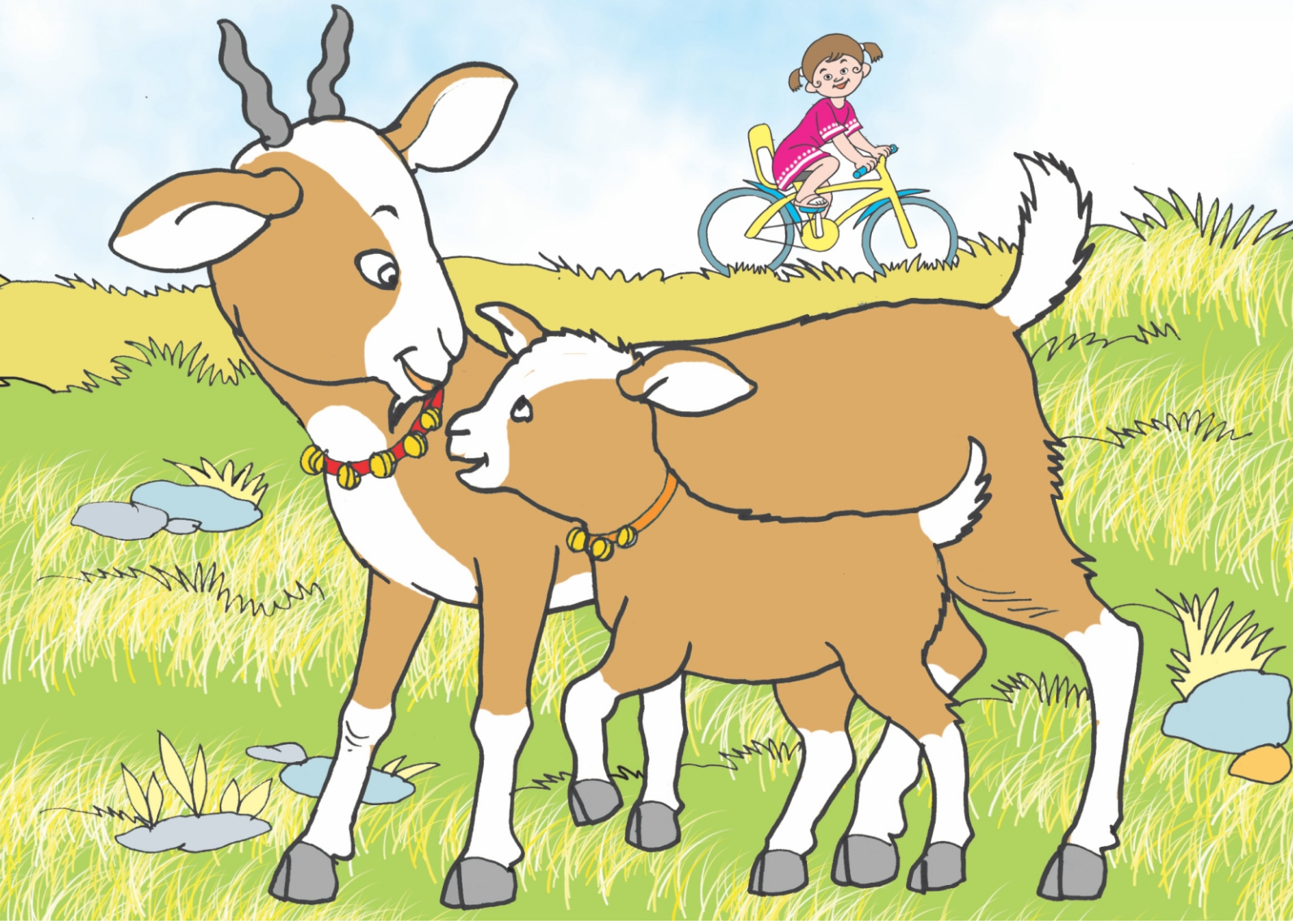

चित्रांकन : पार्थो सेन गुप्ता

लेखक : चंचल शर्मा

मेमना

प्र.1 पशु–पक्षियों को उनके बच्चों से मिलाइए।

जानवर	**बच्चा**
बकरी	बिलौटा
कुत्ता	चूज़ा
गाय	मेमना
मुर्गी	पिल्ला
बिल्ली	बछड़ा

प्र.2 बताइए कितने पहिए?

साइकिल में ——— पहिए।
आटो/रिक्शा में ——— पहिए।
कार में ——— पहिए।
बस में ——— पहिए।
ट्रक में ——— पहिए।

प्र.3 शब्द के अंत में 'कर' लगाकर नए शब्द बनाइए। जैसे– फुदककर।

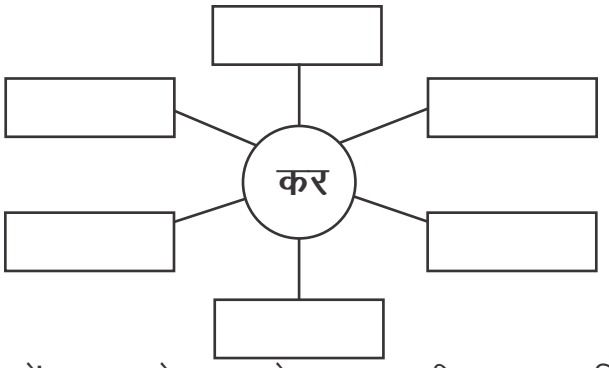

प्र.4 नीचे बॉक्स में दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए ख़ाली स्थान भरिए।

चला	गिर	पहुँच	देखा	निकाल	झाँककर

1. बेला ने मुड़कर ..... ।
2. साइकिल ..... रही थी।
3. उसने मेमने को गड्ढे से बाहर ..... दिया।
4. गड्ढे में बकरी का मेमना ..... गया था।
5. उसने गडढे में ..... देखा।
6. मेमना फुदककर अपनी माँ के पास ..... गया।

प्र.5 मेमना क्यों मिमिया रहा था?

_____

_____

सानिया और तितली

सानिया ने एक रंग–बिरंगी तितली देखी। तितली सानिया के चारों ओर मँडराने लगी। मँडराते–मँडराते तितली खिड़की से बाहर निकल गई। सानिया भी तितली के पीछे–पीछे भागी। उसने घर से बाहर निकलकर देखा तो तितली दिखाई नहीं दी। पता नहीं तितली कहाँ चली गई?

सानिया... सानिया! माँ की आवाज़ आई। माँ की आवाज़ सुनकर सानिया वापस घर लौट गई। माँ ने पूछा– कहाँ थी? मैं तो तितली पकड़ने निकली थी। लगता है तितली भी अपनी माँ के पास चली गई।

सानिया और तितली

प्र.1 नीचे दिए गए शब्दों को सही चित्र के साथ मिलाइए।

क) फूल

ख) तितली

ग) पेड़

घ) घर

प्र.2 आओ शब्द बनाएँ (जैसे : चल + ना = चलना)

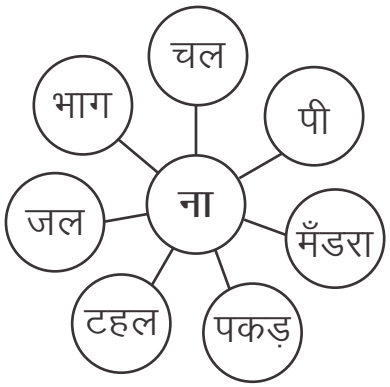

बनाए गए शब्दों को नीचे दिए गए स्थानों में लिखिए।

_____ _____

_____ _____

_____ _____

प्र.3 उदाहरण को देखकर ऐसे और शब्द लिखिए। जैसे, **चलते–चलते** या **धीरे–धीरे।**

_____ _____ _____

_____ _____ _____

प्र.4 अण्डे से तितली कैसे बनी, सही क्रम में लिखिए।

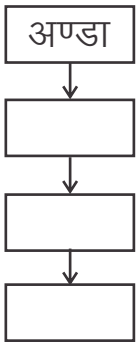

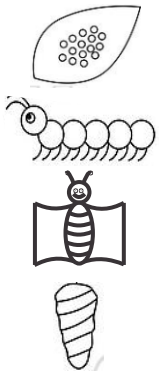

अण्डा

प्यूपा

तितली

लार्वा

प्र.5 तितली पर चार पंक्तियों की एक कविता किसी से पूछकर लिखिए।

_____

_____

_____

_____

नदी पार चले

एक जंगल में दो हिरण रहते थे। एक दिन पहले हिरण का मन नदी के उस पार घास चरने का हुआ। उसने यह बात दूसरे हिरण को बताई। दूसरा हिरण डर गया। उसने जाने से मना किया, मगर पहला हिरण नहीं माना। उसने झट से नदी में रखे पत्थरों पर छलाँग लगा दी। वह बोला – देखो, कितना आसान है नदी पार करना! तुम भी आ जाओ। पहले हिरण की बात सुनकर दूसरे हिरण ने भी एक छलाँग लगाई, फिर उसने दूसरी छलाँग लगाई। इससे उसकी हिम्मत बढ़ गई और उसने भी इस तरह से नदी को पार कर लिया। अब दोनों मज़े से घास चरने लगे।

चित्रांकन : मित्रारुन हल्दर

लेखक : पूजा गौड़

नदी पार चलें

प्र.1 कहानी में से ऐसे शब्दों को छाँटकर लिखिए जिनमें 'न' और 'ना' आता हो।

_____, _____, _____

_____, _____, _____

, , _____

प्र.2 आपके घर में पानी का उपयोग किन–किन कामों के लिए किया जाता है?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 इ (ि), ई (ी), उ (ु) और ऊ (ू) की मात्राओं का प्रयोग करते हुए शब्द बनाइए।

ि	हिरण	_____	_____
ी	कीमत	_____	_____
ु	कुछ	_____	_____
ू	दूध	_____	_____

प्र.4 ऐसे शब्द (संयुक्त अक्षर वाले शब्द) बनाइए जिसमें आधा वर्ण आता हो।
उदाहरणः हिम्मत, बच्चा

क) _____ ख) _____ ग) _____

घ) _____ ड.) _____ च) _____

प्र.5 छलाँग लगाने वाले जानवरों के नाम लिखिए।

_____ _____ _____ _____ _____

बारिश

उमस के बाद बहुत बारिश हो रही थी। यह इस मौसम की पहली बारिश थी। बिजली चमक रही थी और बादल भी गरज रहे थे। मिट्ठू के घर के आँगन में पानी भर गया था। मिट्ठू के मन में बिचार आया और उसने अपने घर में रखे पुराने अख़बार उठाए। फिर उसने उनसे काग़ज़ की नाव बनाकर आँगन में भरे हुए पानी में तैरा दी। तैरती नाव को देखकर वह बहुत खुश हुआ।

बारिश

प्र.1 नीचे दिए गए शब्द का अंत जिस अक्षर पर हो रहा है, उस अक्षर से शुरू होने वाले शब्द को कहानी से ढूँढकर लिखिए, जैसे : बहुत – तेज – जल

उमस	_____	_____	बाद	_____	_____
आँगन	_____	_____	अख़बार	_____	_____
मौसम	_____	_____			

प्र.2 कहानी को पढ़कर ख़ाली स्थान भरिए।

1. इस मौसम की पहली ..... थी।
2. ..... गरज रहे थे।
3. आँगन में ..... भर गया था।
4. मिट्ठू ने पुराने ..... उठाए।

प्र.3 पुराने अख़बार का प्रयोग करके कौन–कौन सी चीज़ें बनाई जाती हैं?

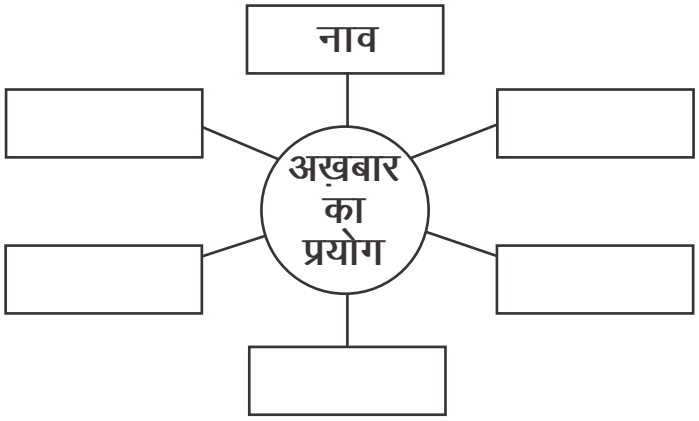

प्र.4 मिट्ठू के घर के आँगन में पानी क्यों भर गया था?

_____

_____

प्र.5 बारिश के बाद आपने इंद्रधनुष बनते हुए देखा होगा, आप भी इंद्रधनुष बनाइए और उसके रंगों के नाम लिखिए।

पेंसिल के टुकड़े

रुनझुन और मुनमुन दोनों स्कूल जा रही थी। घर से थोड़ी दूर पहुँचकर ही रुनझुन रुक गई। मुनमुन ने पूछा– क्या हुआ रुनझुन? रुक क्यों गई? रुनझुन ने कहा– मेरी पेंसिल घर पर ही रह गई। अब मैं लिखूँगी किससे? मुनमुन ने कुछ देर सोचा। उसने पीठ से अपना बैग उतारा। बैग से उसने अपनी पेंसिल निकाली। पेंसिल के उसने दो टुकड़े कर दिए। एक टुकड़ा रुनझुन को देते हुए वह बोली– यह लो, अब तुम्हें घर वापस नहीं जाना पड़ेगा।

चित्रांकन : शुभाश्री

लेखन : चंचल शर्मा

पेंसिल के टुकड़े

प्र.1 नीचे दिए गए अधूरे शब्दों को कहानी में से ढूँढकर पूरा कीजिए।
जैसे, **रनझन – रुनझुन**

मनमन _____ स्कल _____

पंसल _____ टकड़ _____ पहँचकर _____

प्र.2 आपके स्कूल बैग में क्या–क्या होता है? लिखिए।

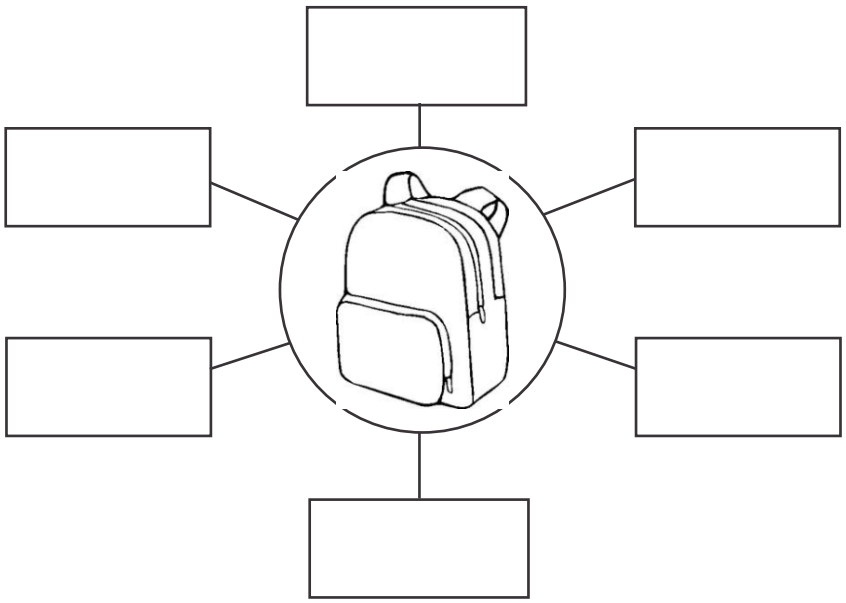

प्र.3 नीचे दिए गए शब्दों के दूसरे नाम कहानी में दिए गए हैं, उन्हें ढूँढकर लिखिए।

बस्ता – _____

विद्यालय – _____

ठहर – _____

प्र.4 दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

स्कूल – _____

बैग – _____

घर – _____

पेंसिल – _____

प्र.5 पेंसिल के अलावा, हम और किन–किन चीज़ों से लिख सकते हैं?

_____ _____ _____ _____

शरारत

दादाजी कुछ ढूँढ रहे थे। उन्होंने सारा घर छान लिया। कहीं कुछ नहीं मिला। सबा ने पूछा– दादाजी, आप क्या ढूँढ रहे हैं? दादाजी बोले– बेटा, मेरा चश्मा कहीं नहीं मिल रहा है। मैं अख़बार कैसे पढ़ूँ? सबा भी चश्मा ढूँढने लगी। तभी टेपे पूँछ हिलाता हुआ आया। अरे, चश्मा तो टेपे की आँखों पर लगा है। सबा और दादाजी एक साथ बोले। टेपे ने 'भौं–भौं' करते हुए आरिफ़ की तरफ़ इशारा किया। आरिफ़ हँसने लगा। दादाजी और सबा समझ गए। यह सब आरिफ़ की ही शरारत है।

चित्रांकन : शुभम लखेरा

लेखन : बबली पाण्डेय

शरारत

प्र.1 गोलू ने कहानी में आए हुए कुछ शब्दों को ग़लत लिख दिया है। आप उन्हें सही करके लिखिए।

चस्मा _____

इसारा _____

सरारत _____

आरफ _____

अखबार _____

प्र.2 कहानी में कुछ 'व्यक्तियों' एवं 'वस्तुओं' के नाम आए हैं। इन नामों को लिखिए।

_____ _____ _____

_____ _____ _____

प्र.3 आपने कुछ जानवरों की आवाज़ें सुनी होंगी। नीचे कुछ जानवरों के नाम दिए गए हैं। इनकी आवाज़ें लिखिए, जैसे **कुत्ता – भौं – भौं**

बिल्ली – _____

घोड़ा – _____

गधा – _____

बंदर – _____

मेंढक – _____

प्र.4 नीचे दिए गए वाक्यों के लिए प्रश्न बनाइए।

जैसेः दादा जी ने घर छान लिया! <u>दादा जी ने क्या छान लिया?</u>

(1) दादा जी चश्मा ढूँढ रहे थे! _____ ?

(2) सबा ने दादा जी से पूछा! _____ ?

(3) चश्मा टेपे की आँखों पर है! _____ ?

प्र.5 सोचिए और लिखिए–

आपके घर में लोग क्या–क्या रखकर भूल जाते हैं?

_____

_____

बारिश के बाद

बारिश अभी थमी ही थी। ज़ीनत और रामू बग़ीचे में घूमने गए। उनकी नज़र चिड़िया के एक बच्चे पर पड़ी। उसके पंख भीगे हुए थे। दोनों सोचने लगे कि अब क्या किया जाए? इसे धूप में रख देते हैं– ज़ीनत बोली। रामू ने चिड़िया के बच्चे को धूप में रख दिया। उसने उसके आगे अनाज के कुछ दाने भी डाल दिए। थोड़ी देर में चिड़िया के बच्चे ने अपने पंख फड़फड़ाए। वह दाना चुगने लगा। वे दोनों सोच में पड़ गए कि बच्चा अपने घर कैसे जाएगा। तभी वहाँ चिड़िया की चीं–चीं की आवाज़ सुनाई दी। आवाज़ सुनकर ज़ीनत और रामू ख़ुश हो गए।

चित्रांकन : शुभाश्री

लेखन : बबली पाण्डेय

बारिश के बाद

प्र.1 सोचिए और बताइए कि आपके घर के आस–पास कौन–कौन से पक्षी दिखाई देते हैं?

_____ _____ _____ _____ _____

प्र.2 पाठ में आए हुए 'ओ' की मात्रा वाले शब्दों को ढूँढकर लिखिए।

_____ _____ _____ _____

प्र.3 राजू ने कुछ वाक्य बनाए लेकिन उसने वाक्यों में शब्दों को उलट–पुलटकर दिया है। क्या आप इन शब्दों को सही क्रम से लगा सकते हैं? (कहानी से)

(1) लगे / दोनों / क्या / अब / सोचने / कि / किया / जाए?

(2) पंख / थोड़ी / देर / बच्चे / ने / अपने / फड़फड़ाए / में

(3) लगा / दाना / चुगने / वह

(4) बहुत / थे / दोनों / अब / खुश

प्र.4 आप कहानी में आए इन पाँच वाक्यों को सही क्रम में लिखिए।

(1) तभी वहाँ चीं–चीं की आवाज़ सुनाई दी।

(2) थोड़ी देर में बच्चे ने अपने पंख फड़फड़ाए।

(3) ज़ीनत और रामू बग़ीचे में घूमने गए।

(4) बारिश अभी थमी ही थी।

(5) इसे धूप में रख देते हैं।

प्र.5 चिड़िया के बारे में कोई पाँच वाक्य लिखिए।

_____

_____

_____

_____

_____

एक के बाद एक खेल

सोफ़ी और रोज़ी गेंद से खेल रही थीं। गेंद झाड़ियों में चली गई। ढूँढने पर भी गेंद नहीं मिली। दोनों अब गुब्बारे से खेलने लगीं। गुब्बारा फट गया। अब दोनों पतंग उड़ाने लगीं। अचानक बारिश शुरू हो गई। पतंग पानी में गल गई। दोनों भीगते हुए घर आ गईं। थोड़ी देर बाद बारिश रुक गई। आँगन में पानी भर गया था। दोनों सोचने लगीं– अब क्या खेलें? तभी दादी आईं। दादी ने काग़ज़ की नाव बनाई। सोफ़ी और रोज़ी ने भी नाव बनाई। सबने अपनी–अपनी नाव पानी में तैरा दी। अब आँगन में कई रंग–बिरंगी नाव तैर रही थीं।

एक के बाद एक खेल

प्र.1 कहानी में आए नुक्ते वाले शब्दों को छाँटकर लिखिए।

सोफ़ी _____ _____

_____ _____

प्र.2 नीचे पाठ में से नीचे दिए गए शब्दों में अनुस्वार (ं) या अनुनासिक (ँ) लगाकर सही शब्द बनाइए।

गेद – _____

ढूढने – _____

आगन – _____

रंग–बिरगी – _____

दोनो – _____

प्र.3 नीचे दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

(1) रंग–बिरंगी –

(2) आँगन –

(3) बारिश –

(4) झाड़ियों –

प्र.4 बारिश के मौसम में कौन–कौन सी बीमारियाँ फैलती हैं? पता कीजिए और उनके नाम लिखिए।

_____ _____ _____

_____ _____ _____

प्र.5 बादल को देखकर कौन–सा पक्षी ख़ुश होता है? उसका चित्र बनाएँ।

गीली बालू

सपना के घर के सामने बालू का ढेर है। सपना और मालू वहाँ खेलने गए। सपना बालू से गुफा बनाने लगी। दूसरी तरफ़ मालू ने भी घर बनाना शुरू किया। सपना की गुफा बनकर तैयार हो गई। मालू ने घर बनाना छोड़ दिया। वह गुफा के दूसरी ओर से एक नई गुफा बनाने लगा। सपना बोली– मेरी गुफा ख़राब मत करो मालू, लेकिन मालू बिना सुने धीरे–धीरे बालू बाहर निकालता रहा। थोड़ी देर बाद वह बोला– ज़रा सामने आकर देखो, मैंने तो पुल बना दिया। दोनों पुल देखकर ख़ुश हो गए।

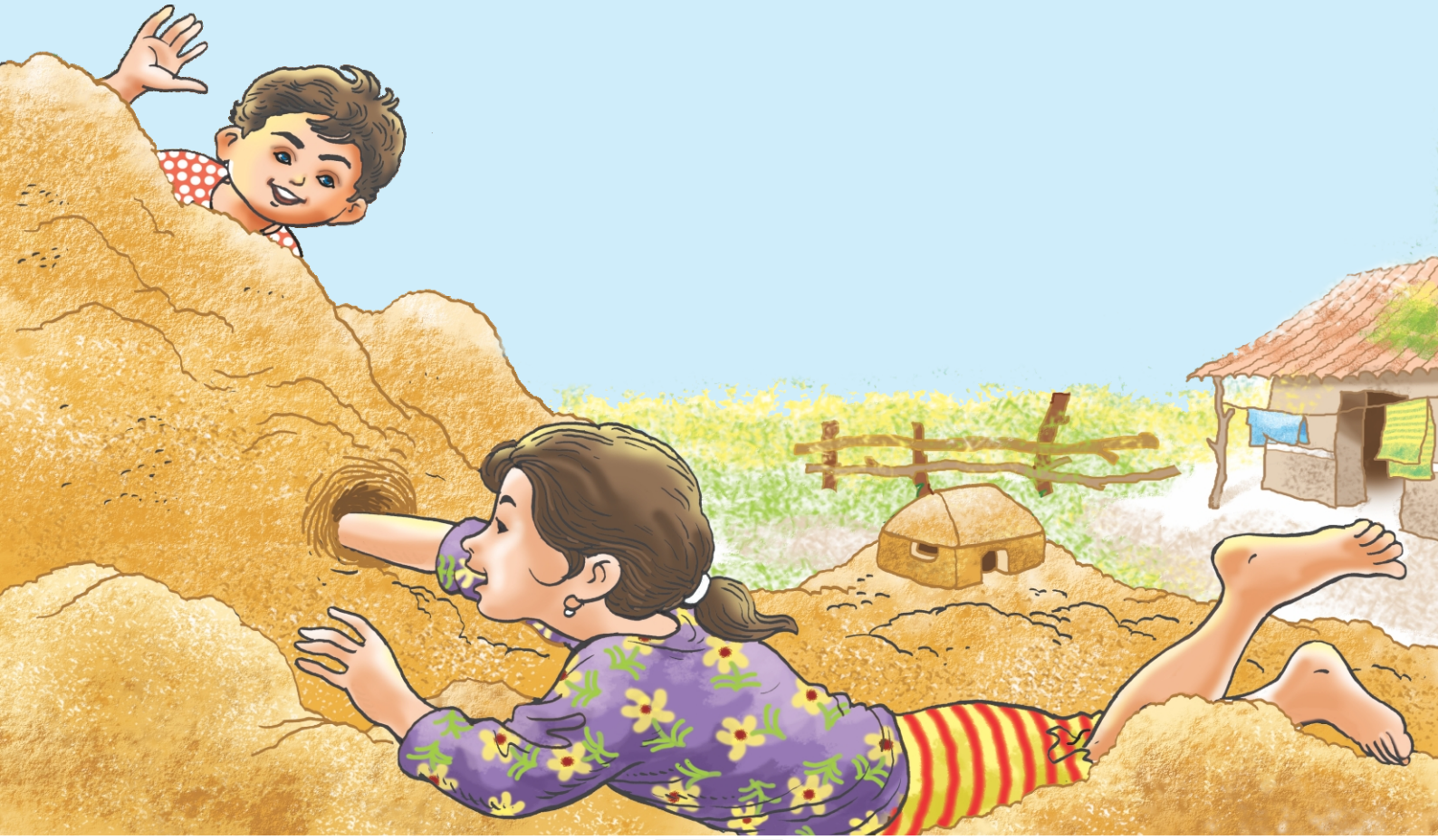

गीली बालू

प्र.1 कहानी में आए शब्दों को ढूँढकर उन पर गोला लगाइए।

घ	र		ख			मा
	ढे		रा	धी	रे	लू
			ब	गु	फा	
		सा	ना		लू	बा
		म	ना			ह
		ने	प			र
पु	ल		स			

प्र.2 आपके घर के आस–पास कौन–कौन सी चीज़ें हैं? दिए गए बॉक्स में लिखिए।

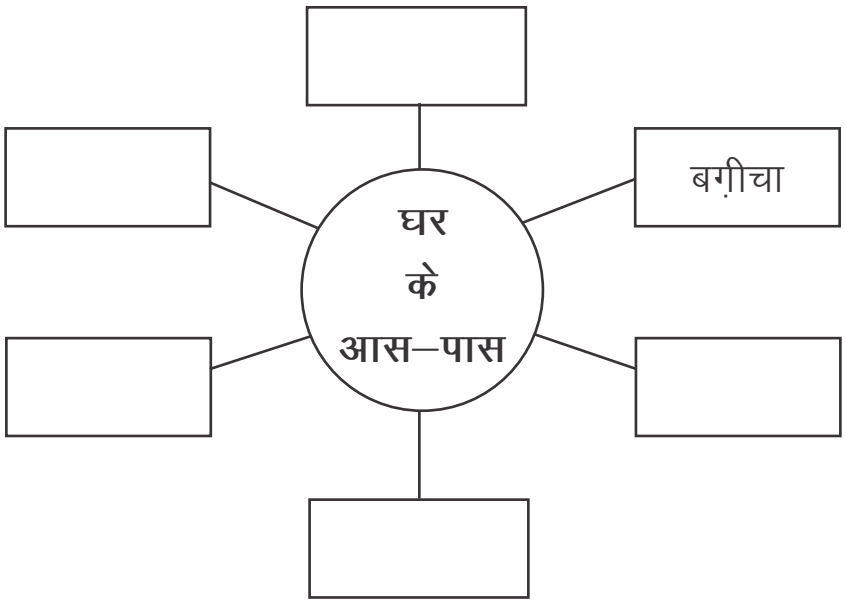

प्र.3 कहानी में आए व्यक्ति/वस्तु/स्थान के नाम वाले शब्दों पर गोला लगाइए।

जैसे –

गुफा मालू घर बालू सपना

पुल खुश बनाना बाद बाहर

प्र.4 आपने पुल कहाँ–कहाँ देखे हैं? उन जगहों के नाम लिखिए।

_____ _____ _____

प्र.5 घर बनाने के लिए किन–किन चीज़ों की आवश्यकता होती है? पता करके लिखिए।

_____ _____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____ _____

काग़ज़ का टुकड़ा

अनु और बनी नाम के दो दोस्त थे। दोनों में एक दिन स्कूल के बाहर किसी बात पर झगड़ा हो गया। वे एक–दूसरे से नाराज़ हो गए। अगले दिन दोनों फिर उसी जगह मिले। अनु ने बनी को एक काग़ज़ का टुकड़ा दिया। बनी ने भी मनु को एक काग़ज़ का टुकड़ा दिया। फिर दोनों अपने–अपने घर चले गए। घर जाकर दोनों ने अपना–अपना काग़ज़ का टुकड़ा खोला। एक काग़ज़ पर लिखा था– माफ़ कर दो। दूसरे पर लिखा था– जाओ, माफ़ किया।

चित्रांकन : शुभाश्री

लेखन : चंचल शर्मा

काग़ज़ का टुकड़ा

प्र.1 अपने दोस्तों के नाम लिखिए।

_____ _____ _____ _____

प्र.2 'कागज़' शब्द में 'ज़' अक्षर का प्रयोग हुआ है। ऐसे शब्द बनाइए जिनमें 'ज़' आता हो।

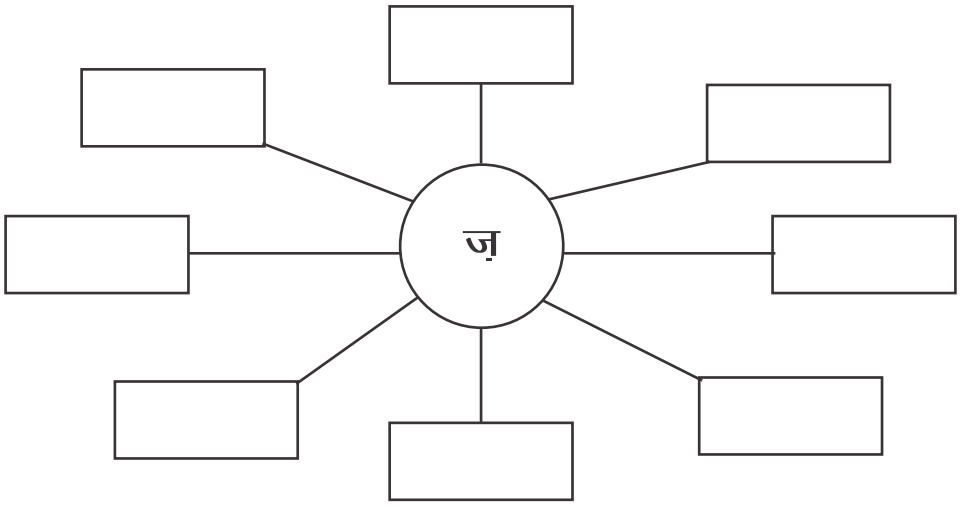

प्र.3 नीचे दिए गए वाक्यों के शब्द आपस में उलझ गए हैं। उन्हें सुलझा कर सही वाक्य लिखिए।

(क) दोनों/नाराज़/ से/हो गए/एक दूसरे

(ख) दो दोस्त/अनु ओर बनी/थे/नाम के

(ग) पर लिखा/माफ़ कर दो/था/एक कागज़ पर

(घ) घर/फिर/चले गए/दोनों अपने

प्र.4 काग़ज़ का उपयोग कहाँ–कहाँ होता है?

1) _____ 2) _____ 3) _____ 4) _____

प्र.5 हमें काग़ज़ की बर्बादी रोकने के लिए क्या–क्या करना चाहिए?

_____

_____

_____

_____

बगु और भैंसू

एक बगुला था।

उसकी टाँगें लम्बी और चोंच नुकीली थी। वह जंगल के तालाब में रहता था। वहाँ भैंस घास चरने आती थी। उसकी गोल आँखें और बड़े सींग थे। भैंस और बगुले में अच्छी दोस्ती थी। भैंस बगुले को पीठ पर बैठाकर जलकुम्भी खाती थी। मौक़ा मिलते ही बगुला भी कुछ मछलियाँ पकड़ लेता था। भैंस की पीठ पर बगुला किसी भी कीड़े को बैठने नहीं देता था। क्या आप बगुला और भैंस के नाम तो जानते हैं? उनके नाम हैं– बगुराज और भैंसूरानी। कहीं भी भैंस और बगुला दिखे तो समझ जाना कि वे बगु और भैंसू ही हैं।

बगु और भैंसू

प्र.1 नीचे दिए गए अक्षरों से जानवरों के नाम लिखिए।

उदाहरण :			
(क)	भैंस	भ	भालू

(ख) बगुला ब _____

(ग) चीता च _____

(घ) मछली म _____

(ड.) कछुआ क _____

प्र.2 नीचे बॉक्स में कुछ जानवरों के नाम दिए गए हैं, उनमें से घास चरने वाले जानवरों के नाम दिए गए स्थान पर लिखिए।

भैंस,	शेर,	घोड़ा,	खरगोश,	बंदर,
बिल्ली,	बकरी,	लोमड़ी,	गाय,	हिरन

_____, _____, _____

_____, _____, _____

प्र.3 नीचे दिए गए अनुच्छेद को कहानी में से शब्द ढूँढकर पूरा कीजिए।

बगुले की टाँगें ..... और चोंच ..... थी। वह जंगल के ..... में रहता था। वहाँ ..... घास चरने आती थी। उसकी ..... आँखें और ..... सींग थे। भैंस और बगुले में ..... दोस्ती थी।

प्र.4 जल में पाए जाने वाले पौधों के नाम लिखिए।

_____ _____ _____

प्र.5 भैंस की पीठ पर बैठकर बगुला क्या करता था?

_____

_____

आँख मिचौली

रहीम दोस्तों के साथ आँख मिचौली खेल रहा था। गोलू चोर बना था। उसने अपनी आँखें बंद की। सभी बच्चे जल्दी से छुप गए। छुपकर सभी ने एक साथ आवाज़ लगाई—आ जाओ। गोलू ने खोजना शुरू किया। दरवाज़े के पीछे शबाना और झाड़ी में रोहन मिला। पेड़ के पीछे से संजू पकड़ा गया। अरे, रहीम तो कहीं भी नहीं मिल रहा। अचानक पेड़ की डाली पकड़कर कोई नीचे कूदा। वह रहीम था। उसने गोलू को छू दिया। गोलू को फिर से चोर बनना पड़ा।

आँख मिचौली

प्र.1 उदाहरण के अनुसार नीचे दी गई शब्द सीढ़ी को पूरा कीजिए।

(क)

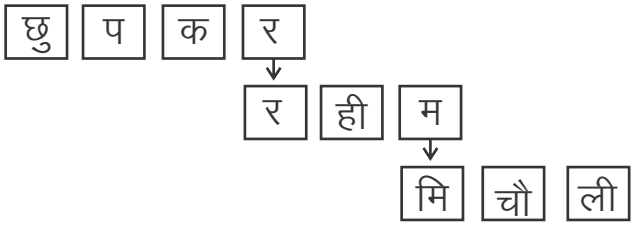

(ख)

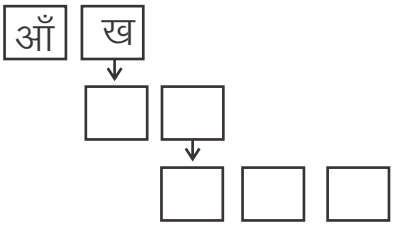

(ग)

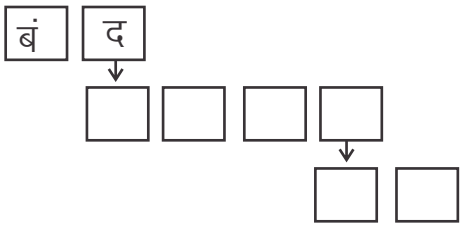

(घ)

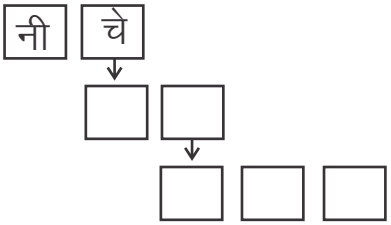

प्र.2 नीचे दिए गए शब्द अधूरे हैं। इन्हें कहानी में से ढूँढकर, मात्रा लगाकर पूरा कीजिए, जैसेः **उसन–उसने**

बच्च	.....	छपकर	.....
सभ	.....	पड़	.....
अर	.....	नह	.....
जल्द	.....	खल	.....

प्र.3 सोचिए और लिखिए कौन कहाँ छिपा था?

जैसे शबाना – **दरवाज़े के पीछे**

रोहन –

संजू –

रहीम –

प्र.4 कहानी में से सही शब्द को ढूँढकर ख़ाली स्थान में सही शब्द लिखिए।

(क) गोलू **चोर** बना था।

(ख) बच्चे जल्दी से ..... गए।

(ग) ..... ने खोजना शुरू किया।

(घ) झाड़ी में ..... मिला।

(ड.) ..... कहीं नहीं मिल रहा।

(च) गोलू को फिर से ..... बनना पड़ा।

प्र.5 गोलू को फिर से चोर क्यों बनना पड़ा?

_____

_____

चींटी और जलेबी

एक छोटी चींटी थी। उसका नाम था भोली। भोली को भूख लगी थी। वह भोजन की तलाश करते–करते एक घर में घुस गई। वहाँ उसे एक जलेबी का टुकड़ा मिला। उसने जलेबी खाना चाही। लेकिन वह रुक गई। उसे अपने भाई भोलू की याद आ गई। उसने सोचा– घर ले जाऊँगी तो दोनों मिलकर जलेबी खाएँगे। भोली जलेबी लेकर वहाँ से चल दी। कुछ ही देर में वह घर पहुँच गई। फिर दोनों ने मिलकर मज़े से जलेबी खाई।

चित्रांकन : शुभाश्री

लेखन : वन्दना प्रधान

चींटी और जलेबी

प्र.1 नीचे दिए गए बॉक्स में मिठाइयों के नाम लिखिए।

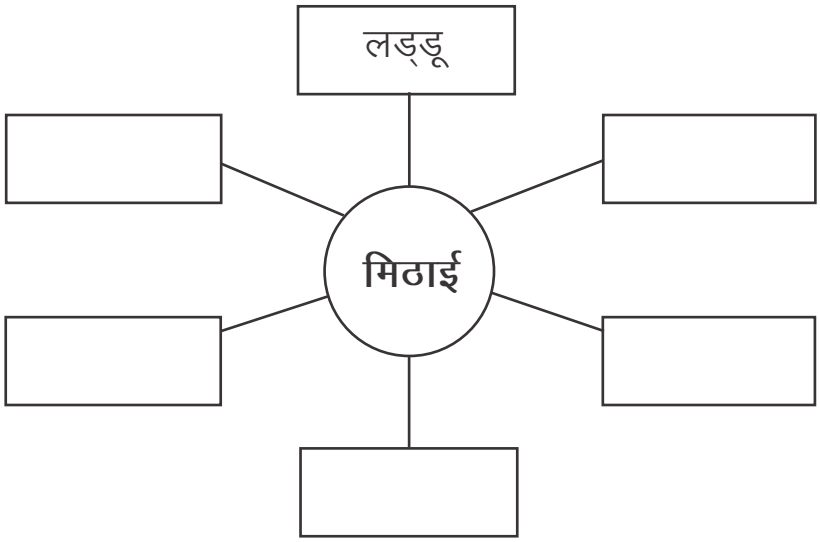

प्र.2 नीचे दी गई मात्राओं से बने दो–दो शब्द कहानी में से ढूँढकर लिखिए।

उ (ु) _____ _____

ऊ (ू) _____ _____

ए (े) _____ _____

प्र.3 नीचे दिए शब्दों के अक्षरों को आगे–पीछे करके या उनकी मात्रा को बदलकर शब्द बनाइए।

जैसे : भोजन – भजन, भोज, जीभ

भोली – _____ _____ _____

जलेबी – _____ _____ _____

तलाश – _____ _____ _____

प्र.4 जोड़े बनाइए।

भूख	सोना
प्यास	दवाई
बीमार	विद्यालय
नींद	भोजन
पढ़ाई	पानी

प्र.5 भोली ने भोलू के साथ मिलकर जलेबी क्यों खाई होगी?

_____

_____

गिलहरी

रविवार का दिन था। मीनू घर के आँगन में खेल रही थी। उसके साथ आस–पड़ोस के बच्चे भी खेल रहे थे। खेलते–खेलते मीनू की नज़र एक गिलहरी पर पड़ी। गिलहरी के पैर में चोट लगी थी। मीनू ने खेल बीच में ही छोड़ दिया। मीनू गिलहरी की तरफ़ भागी। उसने गिलहरी को गोद में उठा लिया। उसने एक ख़ाली गमले में गिलहरी को रखा। उसके पैर में थोड़ी–सी साफ़ मिट्टी लगाकर उसके पास गेहूँ और पानी रख दिया। थोड़ी देर में गिलहरी फुदक कर बाहर

गिलहरी

प्र.1 नीचे दी गई मात्राओं का प्रयोग करते हुए शब्द लिखिए।

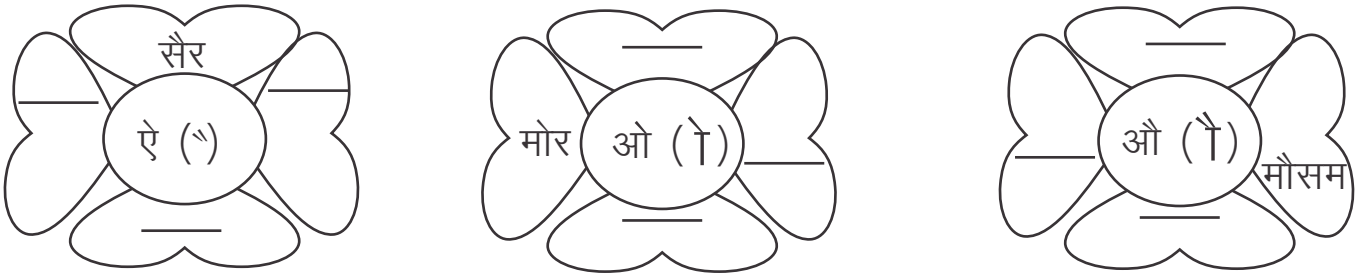

प्र.2 कहानी में रविवार की बात हुई है आप सप्ताह के बाक़ी दिनों के नाम लिखिए।

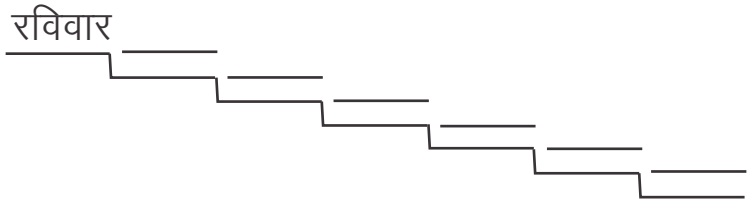

प्र.3 आप कौन–कौन से **अनाज** से बनी हुई चीज़ें खाते हैं?

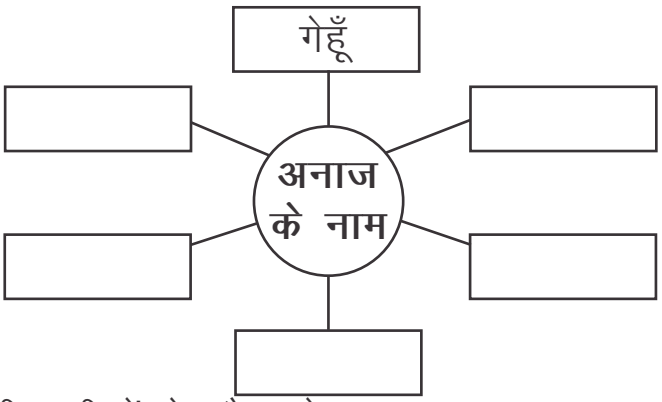

प्र.4 नीचे दिए गए जानवरों की सूची में से कौन–से जानवर उछल–कूद करते हैं और कौन–से जानवर उछल–कूद नहीं करते? उनके नाम अलग–अलग लिखिए।

गाय, शेर, गधा, गिलहरी, हाथी, ख़रगोश, बिल्ली, चूहा, कुत्ता, ऊँट, घोड़ा, बंदर, हिरन, कँगारू

उछल–कूद करते हैं	**उछल–कूद नहीं करते**

प्र.5 गिलहरी क्या–क्या खाती है? लिखिए।

चिड़िया और चींटी

पेड़ पर एक चिड़िया और उसके चार बच्चे रहते थे। उसी पेड़ के नीचे चींटियाँ भी रहती थीं। एक दिन चिड़िया खाना लाने गई।

उसके बच्चे भूख से चीं–चीं करने लगे। चींटियों ने बच्चों का रोना सुना। उन्होंने गेहूँ के दाने घोंसले में रख दिए। बच्चों ने दाने खाए और चुप हो गए। चिड़िया रोटी लेकर आई। बच्चों ने उसे सारी बात बताई। चिड़िया ने ख़ुश होकर रोटी का टुकड़ा नीचे गिरा दिया। चींटियाँ भी ख़ुश होकर रोटी खाने लगीं।

चिड़िया और चींटी

प्र.1 समझकर लिखिए।

एक	अनेक
बच्चा	बच्चे
दाना	_____
घोंसला	_____
टुकड़ा	_____
बात	_____

प्र.2 जानवरों को उनके घरों में पहुँचाइए।

चूहा	घोंसला
चींटी	गुफा
घोड़ा	बिल
शेर	बाम्बी
चिड़िया	अस्तबल

प्र.3 नीचे दिए गए चित्रों को देखकर और सोचकर संबंधित खाने में सही (✓) का निशान लगाइए।

चित्र	मज़े से खाएँगे	खाना पड़ेगा	बिल्कुल नहीं खाएँगे

प्र.4 बॉक्स में दिए गए शब्दों को चुनकर चिड़िया और चींटी की बातचीत को पूरा कीजिए।

खाना,	फल,	बच्चों,	बीज,	बच्चों,	किसके,	खाना

चींटी – बहन चिड़िया तुम अपने ..... के लिए ..... कहाँ से लाई हो?
चिड़िया– चींटी बहन, हम पेड़ से ..... तोड़कर लाए हैं।
चींटी – चिड़िया बहन थोड़े से फलों के ..... हमारे लिए गिरा दो।
चिड़िया – ठीक है बहन, पर तुम ..... लिए ..... ले जा रही हो।
चींटी – बहन, हम अपने ..... को खाना खिलाएँगे।

साथ-साथ

मुनिया खेलकर घर लौट रही थी। अचानक उसे लगा जैसे उसके पीछे कोई है। उसने मुड़कर देखा। पीछे कोई नहीं था। वह डर गई और तेज़ चलने लगी। मुनिया जब भी पीछे मुड़कर देखती, उसे कुछ नहीं दिखता। वह हाँफ़ते हुए घर पहुँची। उसने माँ को सब बताया। माँ हँस पड़ीं। माँ ने मुनिया को बल्ब की रोशनी के सामने खड़ा किया। मुनिया के खड़े होते ही उसकी परछाई दिखने लगी। अब मुनिया समझ चुकी थी कि वह अपनी परछाई से ही डर रही थी।

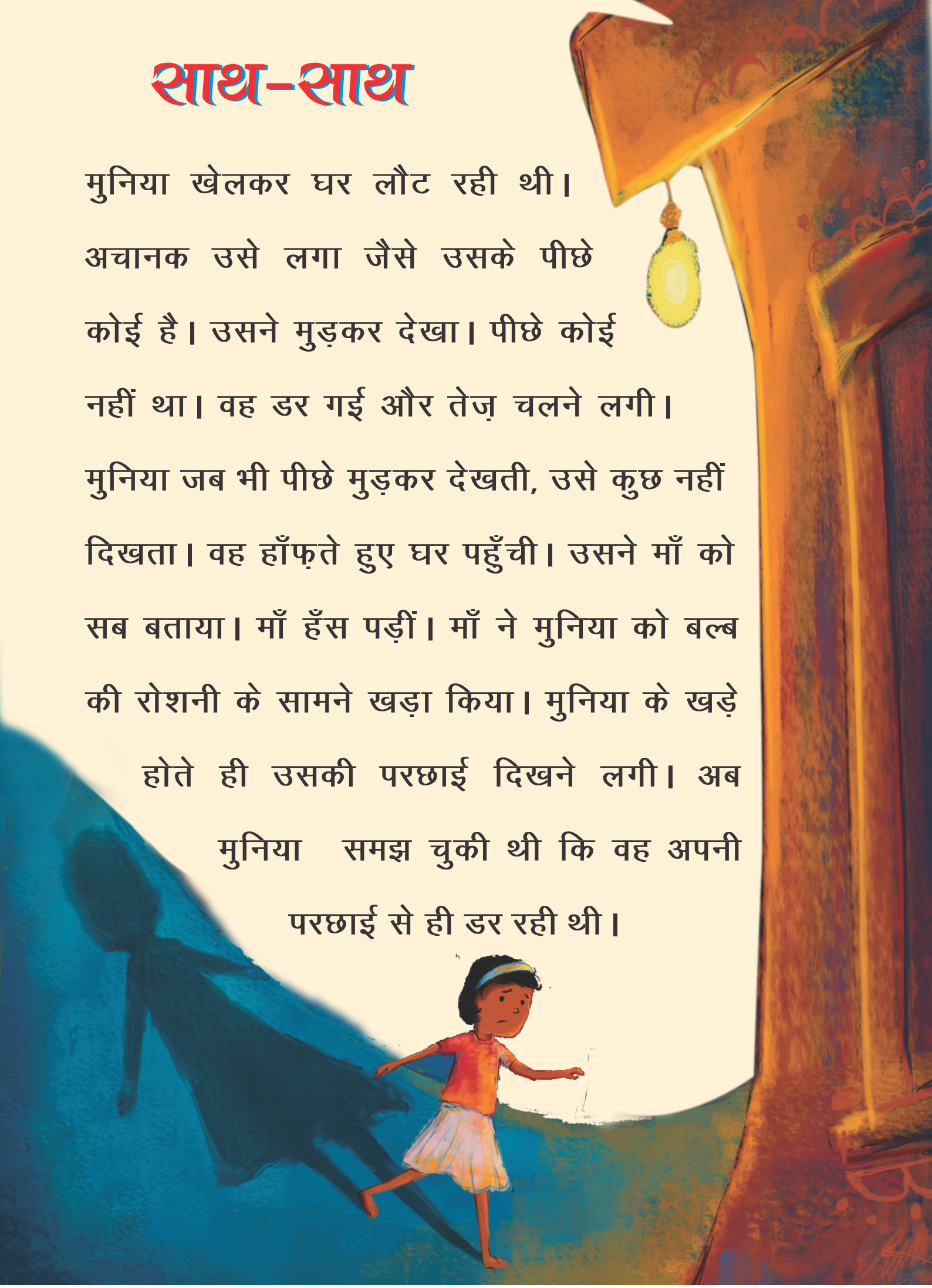

चित्रांकन : शुभम बंसल

लेखन : कार्तिक घोष

प्र.1

प्र.2 वे शब्द लिखिए जिनमें एक अक्षर आधा हो, जैसे – बल्ब।

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

प्र.3 जैसे बल्ब की रोशनी के सामने खड़े होने पर मुनिया की परछाई बनी, वैसे और किसके सामने खड़े होने पर परछाई बनेगी? लिखिए।

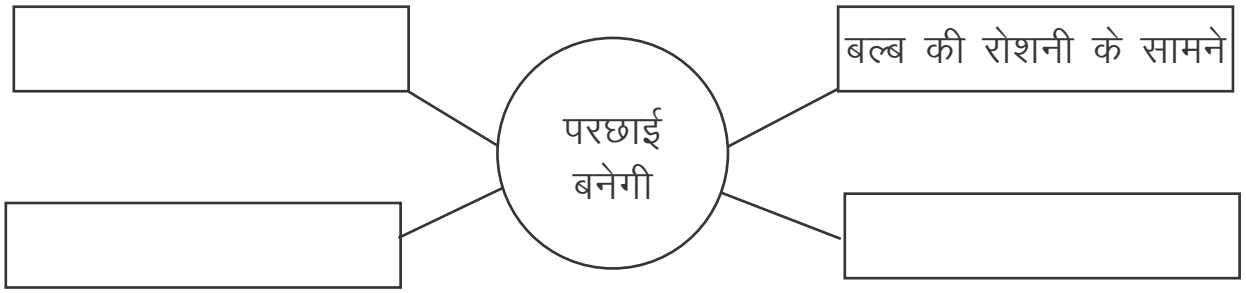

प्र.4 उल्टे अर्थ वाले शब्द लिखिए।

पीछे - _____

तेज़ - _____

हँसना - _____

रोशनी - _____

अपनी - _____

डर - _____

प्र.5 आपको कब–कब डर लगता है और क्यों?

कब–कब?	**क्यों?**
_____	_____
_____	_____
_____	_____

नन्हीं चिड़िया

घर की खिड़की खुली थी। पूजा पलंग पर बैठकर पढ़ रही थी। तभी एक चिड़िया खिड़की से अंदर आई। वह कभी मेज़ पर, दरवाज़े पर, तो कभी रसोईघर में बैठ जाती। थोड़ी देर बाद वह पलंग पर जा बैठी। पूजा को लगा कि चिड़िया थक गई है। वह रसोईघर से कटोरे में पानी और थोड़ा बाजरा ले आई। चिड़िया बाजरे के दानों को चुगने लगी। पूजा उसे बड़े ग़ौर से देखते हुए ख़्यालों में खो गई। बचपन में माँ उसे अपने हाथों से खाना खिलाया करती थीं। यह सोचकर वह मन ही मन मुस्कराई।

चित्रांकन : शुभाश्री

लेखन : मीना शर्मा

नन्हीं चिड़िया

प्र.1 आपके रसोईघर में कौन–कौन से बरतन हैं? उनकी सूची बनाइए।

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

प्र.2 नन्हीं शब्द और किन–किन शब्दों के आगे लिख सकते हैं? दिए गए बॉक्स में लिखिए।

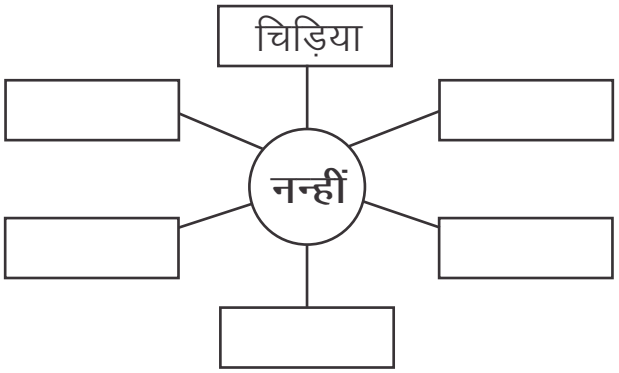

प्र.3 नीचे दिए ख़ाली स्थानों में से क्या–क्या गायब है? कहानी में से ढूँढकर लिखिए। जैसे –

(क) घर <u>की</u> खिड़की

(ख) पलंग ..... बैठकर

(ग) खिड़की ..... अंदर

(घ) बाजरे ..... दाने

(ड.) कटोरे ..... पानी

प्र.4 आप किन–किन कामों को करने से थक जाते हैं?

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

प्र.5 हम पक्षियों का ध्यान कैसे रख सकते हैं?

_____

_____

_____

नक़लची राबिया

राबिया, अनिल, रूही और रोज़ा सभी दोस्त थे। सारे दोस्त एक नया खेल खेल रहे थे। इस खेल में किसी की नक़ल उतारनी थी। राबिया को यह खेल बहुत पसंद आया। अब वह हमेशा किसी–न–किसी की नक़ल उतारती रहती है। सब उसे नक़लची कहकर चिढ़ाने लगे। वह नाराज़ हो गई। अगले दिन वह किसी से नहीं मिली। तीनों दोस्त उसे मनाने उसके घर पर पहुँचे। राबिया ने दरवाज़ा खोला। वह मुँह फुलाकर खड़ी हो गई। सब उसके पास आकर एक साथ गाने लगे– 'दादी अम्मा, दादी अम्मा मान जाओ।' गाना सुनकर राबिया हँसने लगी।

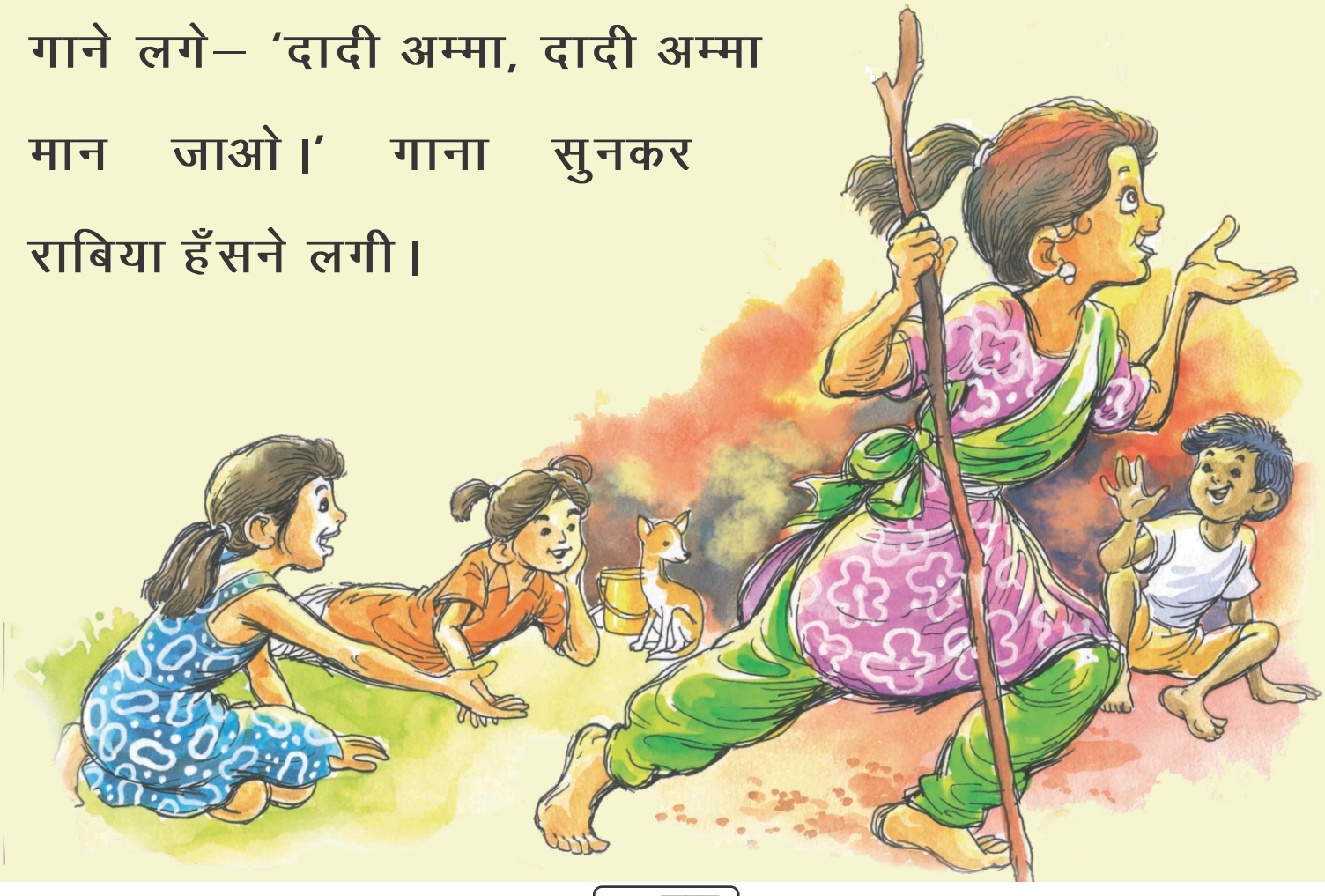

चित्रांकन : पार्थो सेन गुप्ता

लेखन : बबली पाण्डेय

नकलची राबिया

प्र.1 आपको कौन–कौन से खेल पसंद हैं? ख़ाली स्थान में लिखिए।

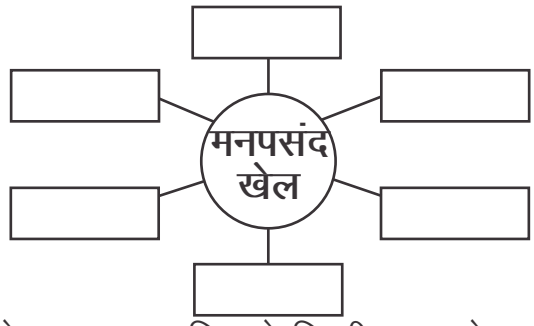

प्र.2 कहानी में आए ऐसे शब्दों पर गोला लगाइए जिनसे किसी काम के करने या होने का पता चलता है।
जैसे–

हँसना	चिढ़ाना	खेलना	बंदरिया	
मनाना	दोस्त	गाना	नकल करना	दादी

प्र.3 नीचे दिए गए वाक्यों को कहानी के अनुसार सही क्रम में लिखिए।

1. राबिया हमेशा किसी न किसी की नक़ल उतारती रहती।
2. वह मुँह फुलाकर खड़ी हो गई।
3. राबिया, अनिल, रूही ओर रोज़ा सभी दोस्त थे।
4. सब उसे नक़लची कहकर चिढ़ाने लगे।
5. गाना सुनकर राबिया हँसने लगी।
6. सब उसके पास आकर एक साथ गाने लगे– 'दादी अम्मा, दादी अम्मा मान जाओ।'

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____
5. _____
6. _____

प्र4 'दादी अम्मा, दादी अम्मा मान जाओ।' इस गीत को आगे बढ़ाओ।

_____

_____

प5 अगर आपका कोई दोस्त रूठ जाए तो आप उसे कैसे मनाते हैं? लिखिए।

_____

_____

_____

चीकू दुकानदार

चाचाजी किसी काम से बाहर गए हुए थे। चीकू दुकान संभाल रहा था। वापस आकर उन्होंने देखा कि चीकू अच्छे से दुकान संभाल रहा है। उन्होंने ख़ुश होकर चीकू को टॉफ़ी लेने के लिए कहा। चीकू बोला– आप ही दे दीजिए। चाचाजी ने मुट्ठी भर टॉफ़ियाँ निकालीं और चीकू को दे दीं। फिर चाचाजी ने पूछा– तुमने ख़ुद टॉफ़ियाँ क्यों नहीं लीं? चीकू ने कहा– मेरी मुट्ठी आपसे छोटी है। आपकी मुट्ठी से मुझे ज़्यादा टॉफ़ियाँ मिल गईं।

चीकू दुकानदार

प्र.1 कहानी में आए हुए अपने मनपसंद शब्दों को नीचे दिए गए स्थान पर लिखिए।

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

प्र.2 चाचाजी की दुकान में कौन–कौन सी चीज़ें होंगी? सोचिए और उनके नाम लिखिए।

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

प्र.3 समझिए और पूरा कीजिए।

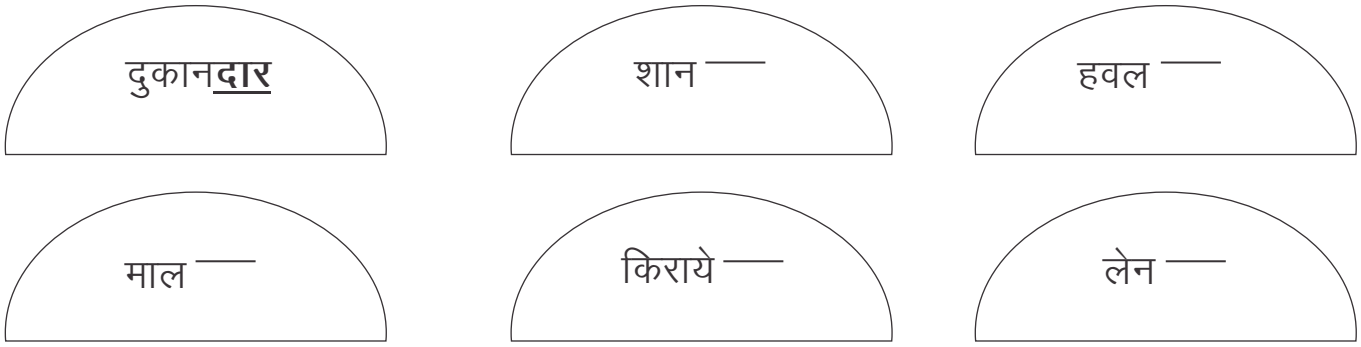

प्र.4 चीकू ने ख़ुद टाफ़ियाँ क्यों नहीं ली?

_____

_____

_____

प्र.5 चीकू की जगह पर आप होते तो क्या करते?

_____

_____

Notes

कक्षा : 6–8

स्तर–2

विषय सूची

सोनल चिड़िया	दीनानाथ सिन्हा	59 - 61
आम का बँटवारा	संदीप बैनर्जी	62 - 64
मिठाई की दुकान	तरुण भसीन	65 - 67
मच्छरदानी	संदीप बैनर्जी	68 - 70
प्याज़ का बदला (एक लोक कथा)	शैलेन्द्र सिंह	71 - 73
अनोखी बारिश	अरुंधती घोष	74 - 76
नानी की सूझबूझ	अलका राणाडे	77 - 79
गमछा	संदीप बैनर्जी	80 - 82
संतरे का छिलका	शैलेन्द्र सिंह	83 - 85
छोटा चूज़ा	प्रथम	86 - 88
ओले चुने या आम?	संदीप बैनर्जी	89 - 91
गली का चिड़ियाघर	माला कुमार, मनीषा चौधरी	92 - 94
चलते-चलते	तरुण भसीन	95 - 97
बाघ और लोमड़ी	गीतांजली पॉल	98 - 100
टोटू	पूजा गौड़	101 - 103
कल्लू, लल्लू, नल्लू कहीं के	अनुराधा	104 - 106
जीने का अंदाज़	पूजा गौड़	107 - 109
सब्ज़ियों की दोस्ती	पूजा गौड़	110 - 112
भुतहा बाग़	गीतांजली	113 - 115
कबूतर के चूज़े	मीरा तेन्दूलकर	116 - 119
पटना क़लम	मनोज कुमार 'बच्चन'	120 - 123
आलू	शशी जैन	124 - 127
सबसे ज़रूरी काम	चन्द्रभान	128 - 131
तिरंगा चार्ट	संतोष	132 - 135
अलग-अलग समय	राजेश खर	136 - 139

सोनल चिड़िया

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए :–

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
सुनहरी			
ऊँची			
चीख़ी			
गुमसुम			
आवाज़			
बचाओ			
ज़ोर			
प्यार			
जीत			
पहचानी			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

सोनल चिड़िया

सोनल नाम की एक सुनहरी चिड़िया थी। सब उसे बहुत प्यार करते थे। एक बार वह आसमान में ऊँची चली गई। सोनल ज़ोर से चीख़ी, "उई माँ, बचाओ!" सूरज की गर्मी से सोनल का सुनहरा शरीर झुलस गया। उसके सुनहरे पंख काले पड़ गए। वह गुमसुम और अकेली रहने लगी। अब वह बस गाती रहती। उसकी आवाज़ ने सबका मन जीत लिया। सोनल अपनी आवाज़ के कारण ही पहचानी जाने लगी। कहा जाता है कि कोयल ही सोनल चिड़िया है।

सोनल चिड़िया

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिएः–

प्र.1 सोनल का शरीर कैसे झुलस गया?

.....

.....

.....

प्र.2 सोनल को सब कैसे पहचानते हैं ?

.....

.....

.....

प्र.3 आप कब–कब उदास हो जाते हैं?

_____ _____ _____

_____ _____ _____

_____ _____ _____

प्र.4 सोनल चिड़िया (कोयल) के बारे में एक ख़ास बात बताएँ ।

.....

.....

.....

प्र.5 अपने मनपसंद पक्षी के बारे में कुछ वाक्य लिखिए।

.....

.....

.....

.....

आम का बँटवारा

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए :–

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
बँटवारा			
ढक			
आँधी			
टोकरी			
मज़े			
चुनकर			
इकट्ठे			
कच्चे			
दौड़कर			
तेज़			
तरफ़			
भीगते			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

आम का बँटवारा

आकाश काले बादलों से ढँक गया था। तभी तेज़ आँधी आई। बबलू दौड़कर आम के बग़ीचे में पहुँचा। वहाँ मीता, रिज़वान, जीरेन और गुल्ली टोकरी लिए खड़े थे। सब मज़े से आम चुन–चुनकर टोकरी में रखने लगे। सबने मिलकर पचास आम इकट्ठे किए।

कच्चे आम में नमक लगाकर खाने के बारे में सोचकर ही उनके मुँह में पानी आने लगा। आँधी रुकी और बारिश होने लगी। बच्चे भीगते हुए टोकरी लेकर घर की तरफ़ दौड़े। घर पहुँचकर पाँचों दोस्तों ने आम बराबर–बराबर बाँट लिए।

आम का बँटवारा

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिएः–

प्र.1 बच्चे बग़ीचे में क्या कर रहे थे?

.....

.....

.....

प्र.2 बारिश आने पर बच्चों ने क्या किया?

.....

.....

.....

प्र.3 बच्चों ने आम का बँटवारा कैसे किया होगा? हर एक बच्चे को कितने आम मिले होंगे?

.....

.....

.....

प्र.4 गर्मी में कौन–कौन से फल आते हैं? उनकी सूची बनाएँ।

प्र.5 आम का अचार आपने खाया होगा, अचार कैसे बनता है? आपस में चर्चा करें और लिखें।

.....

.....

.....

.....

मिठाई की दुकान

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए :–

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
पास			
रसमलाई			
जलेबी			
बेसन			
मेवे			
ढेर			
खाँडवी			
दरवाज़े			
खड़ी			
कंधे			
चौंक			
झट			
गुलाब–जामुन			
मुस्कुरा			
जवाब			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

मिठाई की दूकान

रेशमा के घर के पास मिठाई की दूकान खुली है। दूकान में रसमलाई, गुलाब–जामुन, जलेबी, बेसन की बर्फ़ी, बूँदी के लड्डू, मेवे के पेड़े और भी ढेर सारी मिठाइयाँ बनती हैं। दूकान में समोसे, ढोकला और खाँडवी भी बिकते हैं। एक दिन रेशमा घर के बाहर दरवाज़े पर खड़ी थी। मिठाइयों को देखकर उसके मुँह में पानी आ रहा था। तभी पीछे से पिताजी ने रेशमा के कंधे पर हाथ रखा। रेशमा चौंक गई। पिताजी ने रेशमा से पूछा, "रेशमा, आज कौन–सी मिठाई खाओगी?" रेशमा झट से बोली, "गुलाब–जामुन।" पिताजी उसके जवाब पर मुस्कुरा दिए और रेशमा को गुलाब–जामुन ख़रीद कर दे दिए।

मिठाई की दुकान

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 दुकान में कौन–कौन सी मिठाइयाँ मिल रही थीं?

.....

.....

.....

प्र.2 रेशमा क्यों चौंक गई?

.....

.....

.....

प्र.3 रेशमा ने गुलाब–जामुन क्यों खाना चाहा?

.....

.....

.....

प्र.4 अपनी मनपसंद नमकीन चीज़ों की सूची बनाइए।

....

....

प्र.5 आपको जो मिठाई पसन्द हो उसके बारे में कुछ वाक्य लिखिए।

.....

.....

.....

.....

मच्छरदानी

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए :–

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
मच्छरदानी			
दाने			
निशान			
काटने			
मच्छरों			
अन्दर			
सारे			
कैद			
ज़ोर			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

मच्छरदानी

मदन की आँखें लाल थीं। उसके चेहरे पर छोटे–छोटे दाने थे। कल रात वह ठीक से सो नहीं पाया था। माँ ने उसके चेहरे को देखते हुए पूछा, "यह क्या हुआ? यह कैसे निशान हैं?" मदन बोला, ''मच्छरों के काटने के निशान हैं।'' ''तुम तो मच्छरदानी में सोए थे'', माँ ने हैरान होकर पूछा। मदन ने माँ को बताया, ''हुआ यह कि, मच्छरदानी के अन्दर ढेर सारे मच्छर घुस आए थे। वे बाहर निकल ही नहीं रहे थे। मैंने सोचा कि अब सारे मच्छर अन्दर कैद हो गए हैं, मैं ही बाहर चला जाता हूँ। बस मैं मच्छरदानी से बाहर निकल आया।'' यह सुनकर माँ ज़ोर–ज़ोर से हँसने लगी।

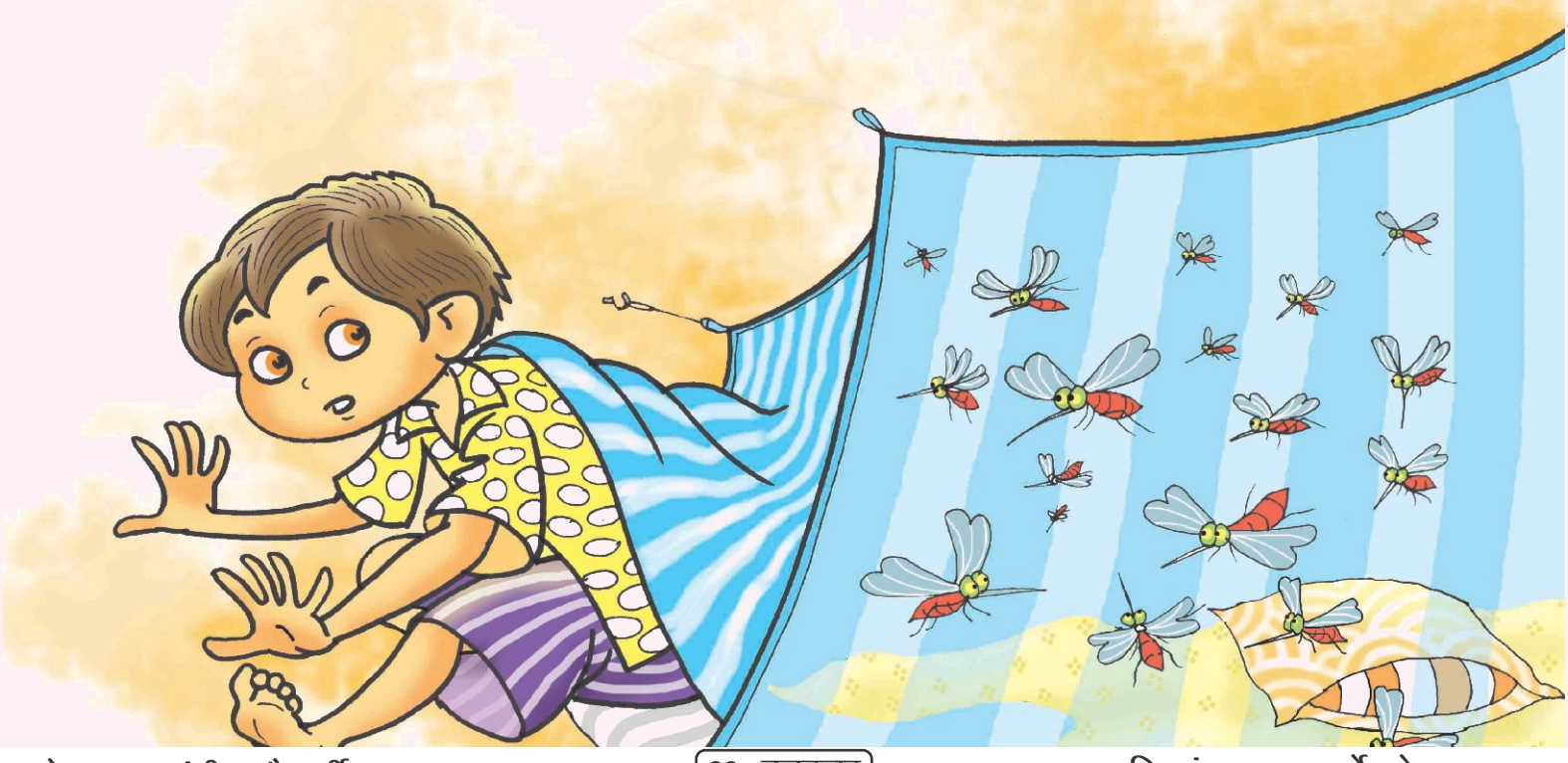

मच्छरदानी

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 मदन की आँखें लाल क्यों थीं ?

.....

.....

.....

प्र.2 मच्छरों के काटने से बचने के लिए आप क्या–क्या करते हैं?

.....

.....

.....

प्र.3 आपको कब–कब नींद नहीं आती है ?

....

....

....

प्र.4 मदन को मच्छरों ने नहीं सोने दिया। क्या आपके साथ भी कभी ऐसा हुआ है? अपना अनुभव लिखिए।

.....

.....

.....

प्र.5 आपके अनुसार मदन ने जो किया वह सही था ? अगर हाँ तो क्यों? अगर नहीं तो क्यों नहीं? लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

प्याज़ का बदला

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए :–

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
बदला			
सिर्फ़			
घने			
पड़ोसी			
साफ़			
झरनों			
रोज़			
आदत			
विनती			
रुलाने			
ठान			
बहने			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

प्याज़ का बदला

कहते हैं कि पहले प्याज़ केवल जंगलों में ही पाया जाता था। जंगल के घने पेड़ उसके पड़ोसी और साफ़ हवा उसकी सहेली थी। झरनों में नहाना उसकी रोज़ की आदत थी। एक दिन जंगल में कुछ लोग आए। उन्होंने पेड़ों को काटा और प्याज़ को अपने साथ ले गए। प्याज़ ने रोते हुए उनसे छोड़ने के लिए विनती की। मगर लोगों ने उसकी एक नहीं सुनी। प्याज़ ने भी लोगों से बदला लेने और उन्हें रुलाने की ठान ली। उसी दिन से प्याज़ ने सोच लिया था कि अब जो कोई भी उसे काटेगा उसकी आँखों से आँसू बहने लगेंगे।

प्याज़ का बदला

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 प्याज़ की रोज़ की क्या आदत थी?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 लोगों ने पेड़ों को क्यों काटा होगा?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 यदि प्याज़ को जंगल से नहीं लाया जाता तो क्या होता?

.....

.....

.....

.....

प्र.4 प्याज़ का इस्तेमाल किन–किन कामों में किया जाता है?

....

....

....

प्र.5 प्याज़ काटते समय आँखों से आँसू क्यों बहने लगते हैं? किसी से पूछ कर लिखें।

.....

.....

.....

.....

.....

अनोखी बारिश

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए :–

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
अनोखी			
चारों			
घने			
छाए			
रंग–बिरंगी			
चिट्ठियों			
झरने			
सरक			
गुनगुनाने			
आसमान			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

अनोखी बारिश

चारों ओर घने जंगल थे। आसमान में काग़ज़ों जैसे बादल छाए थे। मीठी को यह जगह बहुत अनोखी लगी। थोड़ी देर में रंग–बिरंगी चिट्ठियों जैसी बारिश होने लगी। सारी चिट्ठियाँ झरने की तरह बह रहीं थीं। उसने एक चिट्ठी उठाई। यह चिट्ठी उसके दोस्त जॉन की थी। तभी हवा के तेज झोंके से खिड़की का परदा सरक गया। वहाँ से चाचा जी के गुनगुनाने की आवाज़ आने लगी। खिड़की से सुबह की धूप अन्दर आ रही थी। आँखें मलते हुए मीठी खिड़की के पास गई। उसने बाहर का सुंदर दृश्य देखा और वह खुश हो गई।

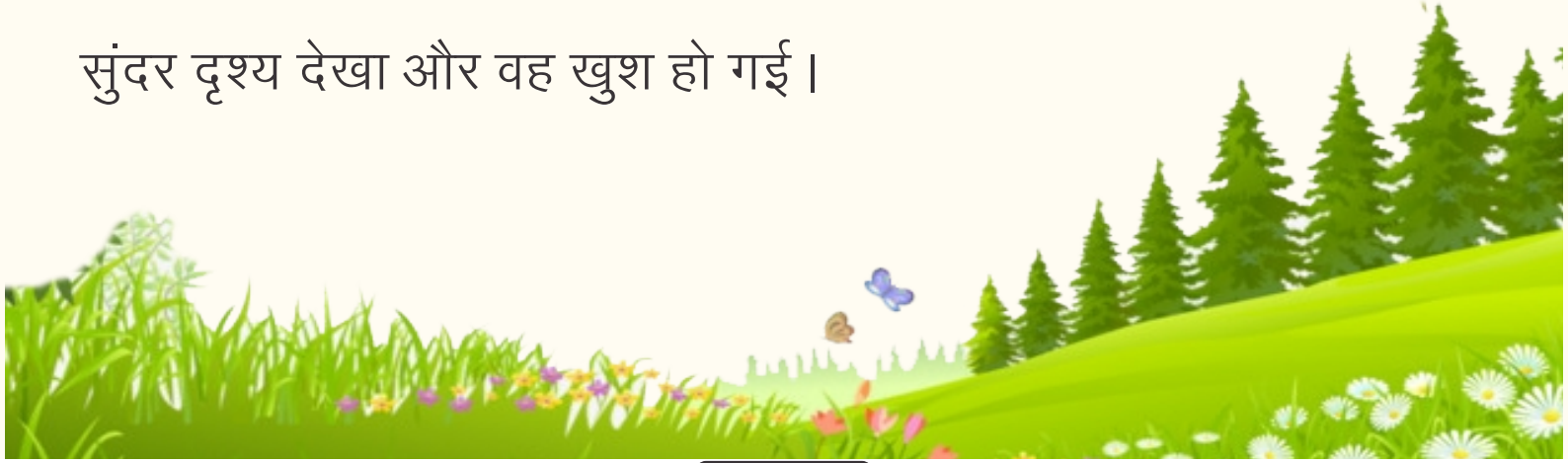

अनोखी बारिश

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 मीठी को जगह अनोखी क्यों लगी?

.....

.....

.....

प्र.2 क्या मीठी सपना देख रही थी?अगर हाँ, तो कहानी के किस वाक्य से ऐसा लगता है?

.....

.....

.....

प्र.3 'बारिश' शब्द पढ़कर आपके मन में जो–जो शब्द आ रहे हैं उन्हें लिखिए।

....

....

....

प्र.4 मीलों दूर से हमारे पास चिट्ठियाँ किन–किन त़रीकों से पहुँचती हैं? आपस में चर्चा करें और लिखें।

.....

.....

.....

.....

प्र.5 अपने किसी एक सपने के बारे में अपने दोस्त को चिट्ठी लिखकर बताएँ।

.....

.....

.....

.....

नानी की सूझबूझ

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
अनपढ़			
नन्हा			
शिशु			
शौक़			
काढ़ा			
गंध			
अनर्थ			
सूझबूझ			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

नानी की सूझबूझ

यह कहानी है मेरी नानी की। नानी अनपढ़ थीं। मेरी माँ का सबसे छोटा भाई नन्हा शिशु था, यह बात तब की है।

मेरी माँ को अपने छोटे भाई के सारे काम करने का बड़ा शौक़ था। एक दिन माँ ने छोटी चम्मच में दवाई भरकर नानी को दी। कोई काढ़ा था। नानी चम्मच शिशु के मुँह में डालने वाली ही थीं – "अरे! यह क्या है? हमेशा वाली गंध नहीं है। बोतल लाओ। कहाँ से ली तुमने?" नानी ने बोतल देखी तो वह दवाई थी। नानी बोलीं – "अरे! यह तो कीड़े मारने वाली दवा है।" अभी तो अनर्थ हो जाता। सिर्फ़ पढ़ना आने से क्या होता है? पढ़ी हुई बात को समझना भी ज़रूरी है।

लेखनः अलका राणाडे

चित्रांकनः अजीत नारायण

नानी की सूझबूझ

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 माँ उस घटना के समय कितने साल की थी?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 नानी ने दवाई का चम्मच शिशु के मुँह से दूर क्यों किया?

.....

.....

.....

प्र.3 'सिर्फ पढ़ना आने से क्या होता है, पढ़ी हुई बात को समझना भी ज़रूरी है।' नानी ने ऐसा क्यों कहा? अपने शब्दों में लिखिए।

.....

.....

.....

.....

प्र.4 अगर माँ शिशु को वह दवा पिला देती तो क्या होता? सोचकर लिखिए।

.....

.....

.....

.....

प्र.5 इस पाठ का शीर्षक 'नानी की सूझबूझ' है। आप इसका शीर्षक बदलकर क्या रखना चाहेंगे ?

.....

.....

गमछा

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
गमछा			
रुमाल			
मुस्कराते			
बड़े काम			
चीज़			
कंधे			
पोंछ			
बिछाकर			
कड़ी			
पोटली			
बढ़िया			
झट			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

गमछा

पिताजी काम पर जा रहे थे। उनका गमछा कहीं भी नहीं मिल रहा था। मैंने उनसे कहा, ''आज आप रुमाल से काम चला लीजिए।'' पिताजी मुस्कराते हुए बोले, ''बेटा रुमाल से काम नहीं चलेगा, यह गमछा बड़े काम की चीज़ है। कंधे पर हो तो पसीना पोंछ लो। गर्मी लगे तो हवा कर लो। नींद आए तो पेड़ के नीचे बिछाकर सो जाओ। कड़ी धूप हो तो सिर पर बाँध लो। तुम चाहो तो इससे पोटली भी बाँध लो। सबसे बढ़िया तो यह कि अगर तालाब मिले तो नहाने के समय इस्तेमाल कर लो।'' इतने में पीकू गमछा मुँह में दबाकर भागता हुआ आया। मैं झट से बोला, ''अपना कुत्ता पीकू भी बड़े काम का है पिता जी।''

लेखन : संदीप बैनर्जी

चित्रांकन : पार्थो सेन गुप्ता

गमछा

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 गमछे के किन्हीं दो फ़ायदे के बारे में लिखें।

1. .....

2. .....

प्र.2 पीकू गमछा मुँह में दबाकर ले आया। कुत्ता घर में और क्या–क्या काम करता होगा?

.....

.....

.....

प्र.3 रुमाल और गमछे में क्या अंतर है? लिखिए।

.....

.....

.....

.....

प्र.4 किन–किन जानवरों को पाला जा सकता है?

....

....

....

प्र.5 आपके अनुसार क्या जानवरों को पालना चाहिए? हाँ तो क्यों? नहीं तो क्यों नहीं?

.....

.....

.....

.....

संतरे का छिलका

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
छिलका			
चाव			
जवाब			
यक़ीन			
रस			
आँसू			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

संतरे का छिलका

सोनू और रानी बड़े चाव से संतरे खा रहे थे। रानी ने संतरे का छिलका उठाकर सोनू पर डाल दिया। सोनू कहाँ पीछे रहने वाला था, उसने छिलके का रस रानी की आँखों में डाल दिया। रानी चीख़ पड़ी, ''ऊई माँ!'' उसकी आँखों से आँसू बहने लगे। उसे रोता देखकर दादा जी आ गए। दादा जी ने पूछा, ''तुमने इसे क्यों मारा? देखो कितना रो रही है!'' सोनू ने जवाब दिया, ''मैंने नहीं मारा। बस संतरे का रस इसकी आँखों में डाल दिया।'' दादा जी ने सोनू को समझाया कि संतरे के छिलके का रस आँखों में नहीं डालते, संतरे को तो खाया जाता है।

लेखन : शैलेन्द्र सिंह

चित्रांकन : पार्थो सेन गुप्ता

संतरे का छिलका

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 दादाजी को ऐसा क्यों लगा कि रानी रो रही है?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 आप कब–कब और क्या–क्या शरारतें करते हैं ? एक सूची बनाएँ।

कब?	**क्या–क्या शरारतें करते हैं?**
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

प्र.3 अलग–अलग फलों से क्या–क्या बनाया जा सकता है? सोचकर लिखिए।

आम : .....

चीकू : .....

सेब : .....

अनार : .....

केला : .....

प्र.4 ऐसा कब–कब होता है जब हम ज़ोर से चीख़ते हैं?

.....

.....

.....

प्र.5 हमें फल क्यों खाने चाहिए? सोचकर लिखिए।

.....

.....

.....

.....

छोटा चूज़ा

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
चूज़ा			
डरपोक			
सीख			
डर			
लौटी			
चिंता			
फैलाए			
कोशिश			
देर			
उड़ान			
भरी			
काँटे			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

छोटा चूज़ा

एक डरपोक चूज़ा था। वह बाहर नहीं निकलता था। इसलिए उड़ना ही नहीं सीख पाया। उसकी माँ उसे समझाती रहती, ''दोनों साथ चलेंगे तो डर नहीं लगेगा।'' लेकिन चूज़े ने उड़ना नहीं सीखा।

एक दिन उसकी माँ कहीं बाहर गई। सुबह से रात हो गई। माँ नहीं लौटी। चूज़े को चिंता होने लगी। उसने पंख फैलाए और उड़ने की कोशिश की। जल्दी ही वह थक गया। उसने फिर उड़ने की कोशिश की। थोड़ी ही देर में वह उड़ने लगा। चूज़े ने लम्बी उड़ान भरी और माँ के पास पहुँच गया। माँ के पंखों में काँटे लगे थे। उसने अपनी चोंच से काँटे निकाले। अब वह रोज़ माँ के साथ उड़ने लगा। बिना डरे। बिना थके।

लेखन : प्रथम

चित्रांकन : मित्रारूण हलदार

छोटा चूज़ा

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 माँ ने चूज़े को क्या समझाया?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 चूज़े ने उड़ना कैसे सीखा?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 आपकी माँ को कब–कब आपकी चिंता होती है?

.....

.....

.....

प्र.4 चूज़े को किस बात की चिंता सताने लगी?

.....

.....

.....

प्र.5 माँ के पंखों में काँटे कैसे लगे होंगे, सोचकर लिखिए।

.....

.....

.....

ओले चुने या आम?

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
ओले			
चुनें			
बहुत			
झुकाए			
फूस			
छप्पर			
टीन			
छाया			
गमछा			
लेट			
झोंका			
राहत			
आँख लगना			
ख़ुशबू			
फैल			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

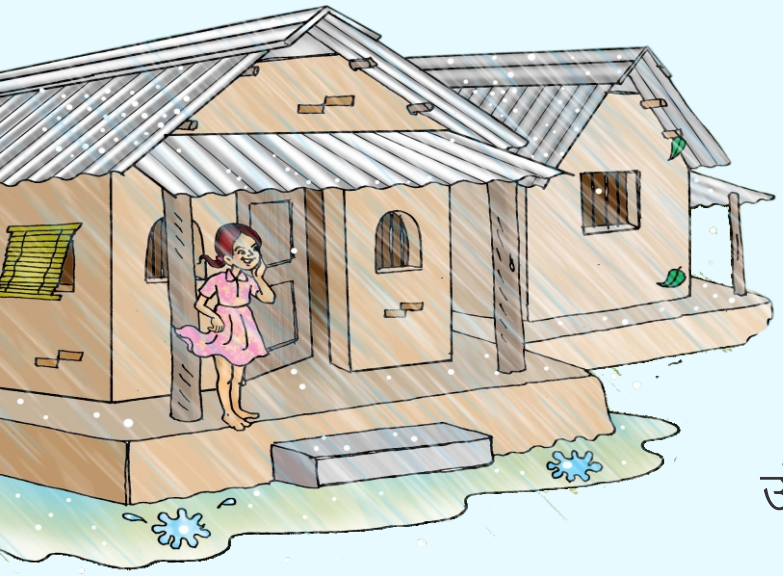

ओले चुने या आम?

बहुत गर्मी है। कुएँ सूख गए हैं। ऊँचे पेड़ जैसे सिर झुकाए खड़े हैं। दोपहर में सब घर में बैठे हैं। घर के अन्दर जैसे आग लगी हुई है। पहले वाली फूस की छप्पर ही अच्छी थी। टीन की छत से गर्मी और बढ़ गई है।

कालू आँगन में आम के पेड़ की छाया में गमछा बिछाकर लेट गया। अचानक ठंडी हवा का झोंका आया। थोड़ी राहत मिली। न जाने कब कालू की आँख लग गई। ठंडी हवा अपने पीछे आँधी ले आई। आसमान काला पड़ गया। बारिश के साथ ओले गिरने लगे। मिट्टी की ख़ुशबू हवा में फैल गई। टीन की छत टन–टन बजने लगी। पेड़ों से आम गिरने लगे। कालू को समझ नहीं आया कि अब वह ओले चुने या आम?

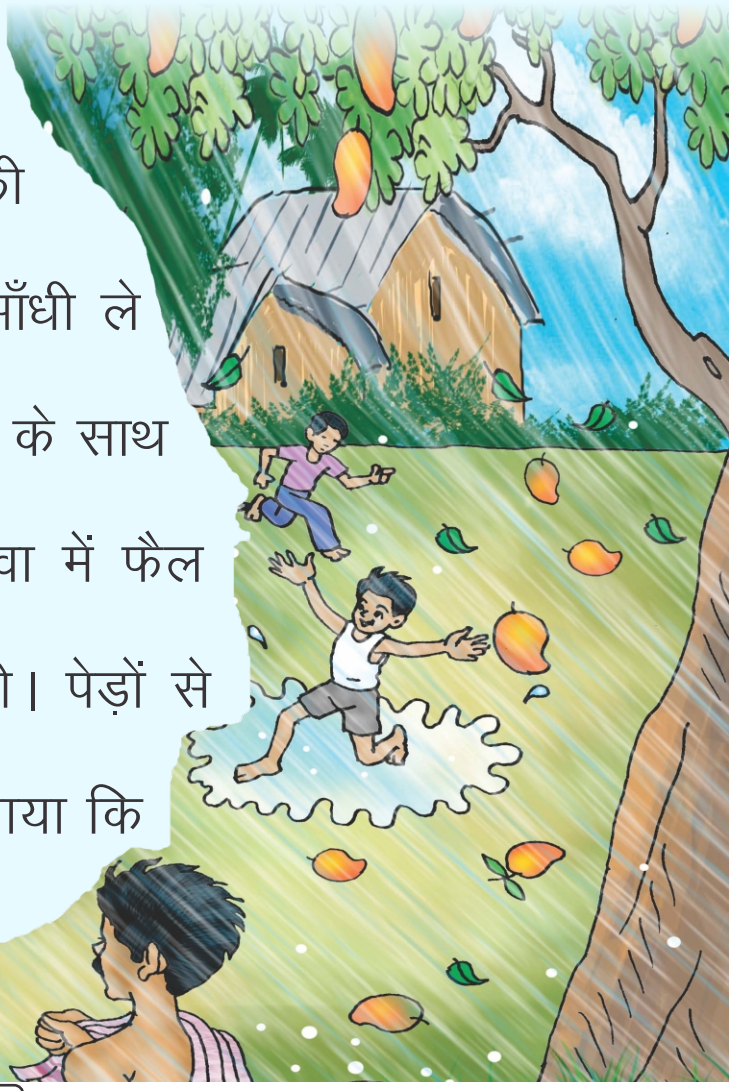

लेखन : संदीप बैनर्जी

चित्रांकन : मित्रारूण हलदार

ओले चुने या आम ?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 कहानी में से ऐसे कोई दो वाक्य लिखें जिनसे पता चलता है कि बहुत गर्मी थी?

1. .....

2. .....

प्र.2 गर्मी से बचने के लिए कालू ने क्या किया?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 ''टीन की छत से घास–फूस का छप्पर ही अच्छा था'', ऐसा क्यों कहा गया है?

.....

.....

.....

.....

प्र.4 गर्मी से बचने के लिए आप क्या–क्या करते हैं?

.....

.....

.....

.....

प्र.5 कालू ने क्या चुना होगा? ओले या आम? सोचें और कारण सहित जवाब लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गली का चिड़ियाघर

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
गली			
छोटी–सी			
दिखाई			
घात			
कोने			
पकौड़ा			
तरफ़			
छाया			
मुंडेर			
अलावा			
ताक			
लाद			
झटपट			
पंजा			
चाटने			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

गली का चिड़ियाघर

सोनू, मोनू और रीना खेलने निकले।

गली में उन्हें एक छोटी–सी बिल्ली दिखाई दी। वह बिल्ली एक चूहे पर घात लगाए बैठी थी। चूहा कोने में बैठा पकौड़ा खा रहा था। एक चींटी उस चूहे की तरफ़ जा रही थी। अचानक उन पर एक छाया पड़ी। यह एक बड़ी–सी चील की छाया थी। चील एक मुंडेर पर बैठ गई। उस गली में अब बच्चों के अलावा चींटी, बिल्ली, चील और चूहा थे। सभी एक दूसरे की ताक में थे। तीनों बच्चे सोचने लगे कि अब क्या करें? तीनों ने एक साथ ताली बजाई। चील उड़ गई। चींटी एक चीनी का दाना पीठ पर लाद कर झटपट भागी। चूहा पकौड़े का एक टुकड़ा लेकर बिल में घुस गया। बिल्ली को कुछ नहीं मिला वह अपना पंजा चाटने लगी। मोनू उसके लिए थोड़ा दूध ले आया। तीनों बच्चे उसके साथ खेलने लगे।

गली का चिड़ियाघर

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 बिल्ली अपना पंजा क्यों चाटने लगी?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 चूहा पकौड़ा लेकर बिल में क्यों घुस गया?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 शाकाहारी व माँसाहारी जानवरों के नाम लिखिए।

शाकाहारी ....

माँसाहारी ....

प्र.4 'चिड़ियाघर' शब्द पढ़कर आपके मन में जो–जो शब्द आ रहे हैं, उन्हें लिखिए।

....

....

....

प्र.5 तीनों बच्चों ने ताली क्यों बजाई? सोचकर लिखिए।

.....

.....

.....

.....

चलते-चलते

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
गहरी			
रोज़			
रेहड़ी			
सजे			
फलों			
नज़रें			
गड़ाए			
ख़ुद			
संभाल			
धड़ाम			
ठहाका			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

चलते-चलते

दीपू, पूनम और निहाल एक साथ स्कूल जाते हैं। तीनों में गहरी दोस्ती है। हर दिन की तरह आज भी तीनों स्कूल के लिए निकल पड़े। रास्ते में उन्हें फलों की रेहड़ी दिखाई दी। रेहड़ी पर तरबूज़, ख़रबूज़ा, लीची, अंगूर, जामुन और केले सजे थे। फलों का राजा आम भी था। आम देखकर दीपू के मुँह में पानी आ गया। वह आम पर नज़रें गड़ाए आगे बढ़ा जा रहा था।

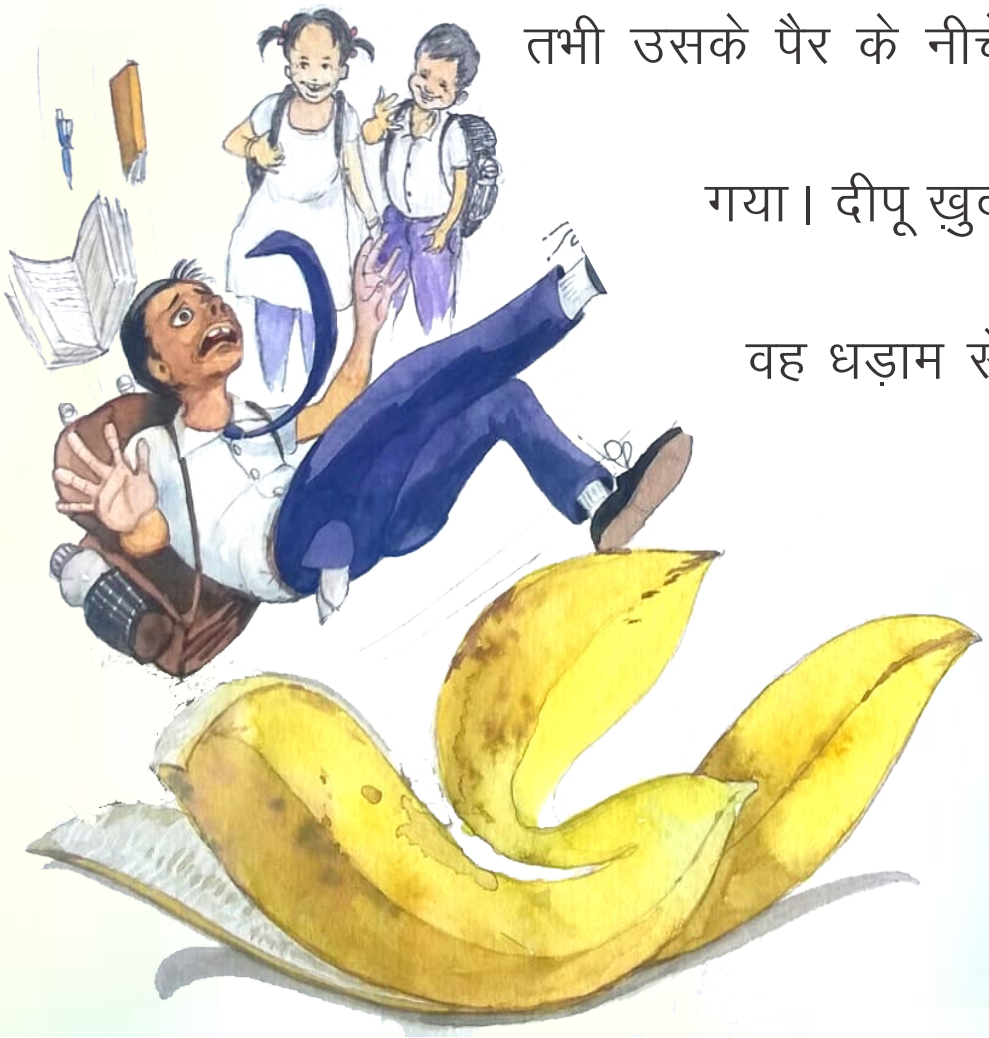

तभी उसके पैर के नीचे केले का छिलका आ गया। दीपू ख़ुद को संभाल नहीं पाया। वह धड़ाम से ज़मीन पर गिर पड़ा। यह देखकर पूनम और निहाल ठहाका लगाकर हँसने लगे।

चलते–चलते

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 रेहड़ी पर कौन–कौन से फल थे?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 दीपू ज़मीन पर क्यों गिर पड़ा?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 आम देखकर दीपू के मुँह में पानी आ गया । कौन–कौन सी चीज़ें देखकर आपके मुँह में पानी आ जाता है? उनके नाम लिखिए।

....

....

प्र.4 आम से कौन–कौन सी चीज़ें बनाई जा सकती हैं? उनके बारे में लिखिए।

.....

.....

.....

.....

प्र.5 अगर कोई गिर जाए तो क्या हमें उस पर हँसना चाहिए? क्या ऐसा करना ठीक है? सोचकर लिखिए।

.....

.....

.....

.....

बाघ और लोमड़ी

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
पकड़ने			
शिकारी			
गुफा			
गहरा			
गड्ढा			
खोदकर			
घास–फूस			
गुज़र			
मुसीबत			
उपाय			
गहरी नींद			
सिरा			
आँख खुलने			
नौ दो ग्यारह			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

बाघ और लोमड़ी

एक दिन जंगल में बाघ को पकड़ने एक शिकारी आया। उसने गुफा से थोड़ी दूर पर एक गहरा गड्ढा खोदकर, उसे घास–फूस से ढक दिया। शिकारी पेड़ के नीचे जाकर सो गया। बाघ जब शिकार के लिए निकला तो उस गड्ढे में गिर गया। एक लोमड़ी उधर से गुज़र रही थी। उसने देखा कि बाघ मुसीबत में है। वह बाघ को बचाने का उपाय सोचने लगी। शिकारी गहरी नींद में सोया हुआ था। उसके पास एक रस्सी रखी थी। लोमड़ी ने रस्सी का एक सिरा पेड़ से बाँध दिया। दूसरा सिरा उसने गड्ढे में फेंककर बाघ से कहा, ''रस्सी पकड़कर ऊपर आ जाओ।''

बाघ रस्सी के सहारे ऊपर आ गया। शिकारी की आँख खुलने से पहले ही दोनों वहाँ से नौ दो ग्यारह हो गए।

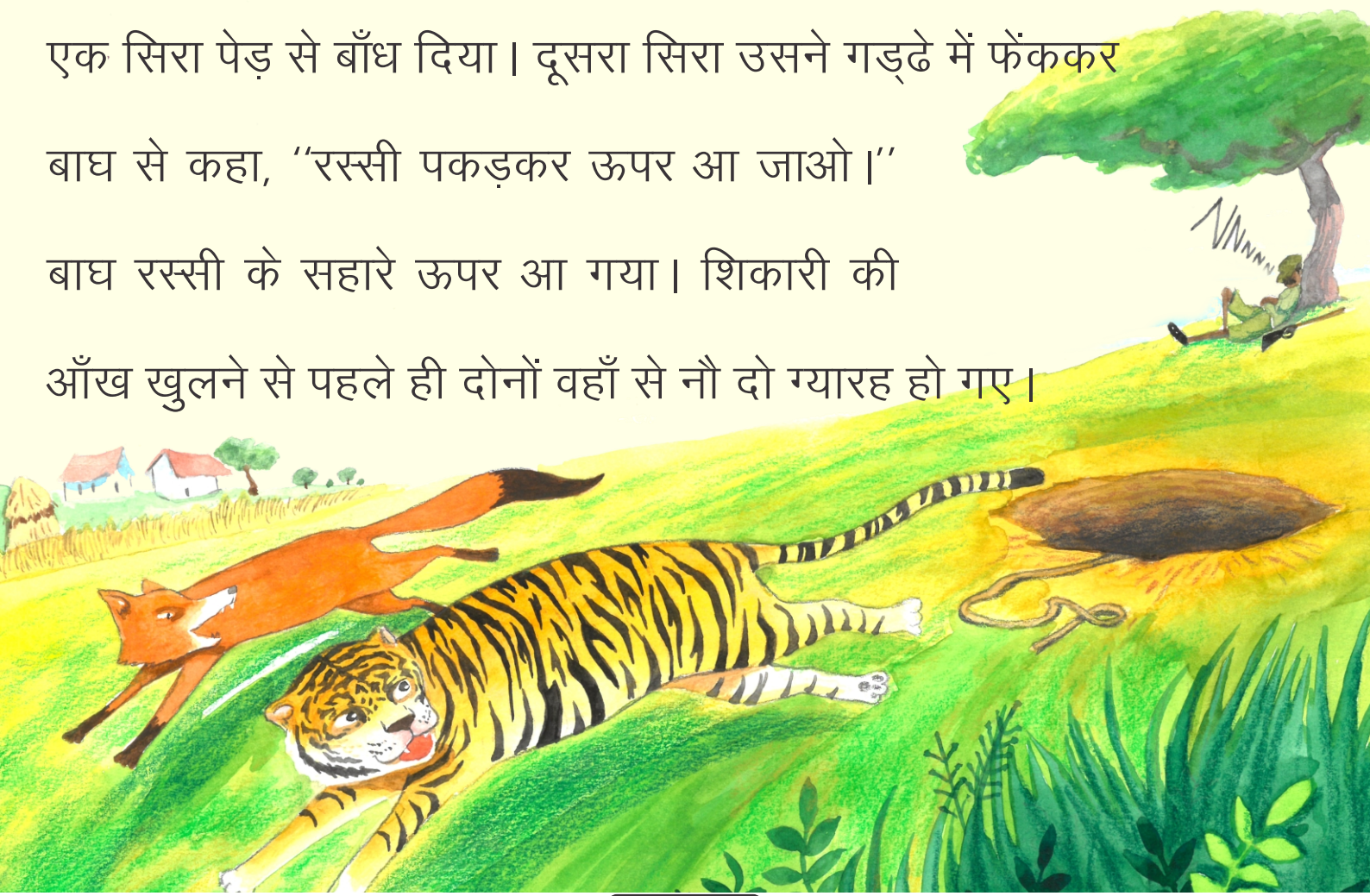

बाघ और लोमड़ी

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 शिकारी ने शिकार करने के लिए क्या किया?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 लोमड़ी ने बाघ को शिकारी से बचाने के लिए क्या किया?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 'शिकारी' शब्द सुनकर आपके मन में जो शब्द आ रहे हैं, उन्हें लिखिए।

....

....

....

प्र.4 रस्सी किन–किन कार्यों के लिए इस्तेमाल होती है?

.....

.....

.....

.....

प्र.5 नौ–दो ग्यारह होने का क्या मतलब होता है? इस मुहावरे से वाक्य बनाएँ।

.....

.....

.....

.....

टोटू

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
बग़ीचा			
सीखा			
बरामदे			
गीली			
गंदे			
परेशान			
छपाक			
सना			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

टोटू

टोटू माँ के साथ रहता था। उसके घर के बाहर एक बग़ीचा था। उसने अभी–अभी चलना सीखा था। एक दिन वह अकेला बरामदे में खेल रहा था। पता नहीं कब वह अपने छोटे–छोटे पैरों से चलता हुआ बग़ीचे में पहुँच गया। वहाँ की मिट्टी गीली थी। टोटू के हाथ और कपड़े मिट्टी से गंदे हो गए। थोड़ी देर बाद टोटू की माँ बाहर बरामदे में आईं। टोटू को वहाँ न देखकर परेशान हो गईं, ''अरे! टोटू कहाँ गया?'' वह टोटू को खोजते हुए बग़ीचे में आईं। तभी 'छपाक–छपाक' की आवाज़ें सुनाई दीं। टोटू मिट्टी से सना हुआ था। माँ ने जल्दी से टोटू को गले से लगा लिया। फिर हँसते हुए बोली, ''मेरा लाल अब बड़ा हो गया है।''

लेखन : पूजा गौड़

चित्रांकन : मनोज गड़पले

टोटू

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 टोटू मिट्टी से क्यों सना हुआ था?

.....

.....

.....

प्र.2 टोटू की माँ क्यों परेशान हो गईं?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 गीली मिट्टी से कौन–कौन सी चीज़ें बनाई जा सकती हैं?

.....

.....

.....

प्र.4 छोटे बच्चों को किन–किन चीज़ों से खेलना अच्छा लगता है?

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.5 माँ ने ऐसा क्यों कहा, 'मेरा लाल बड़ा हो गया है'? सोचकर लिखिए।

.....

.....

.....

कल्लू, लल्लू, नल्लू कहीं के

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
दोस्त			
ज़मीन			
कमली			
चित्र			
मगर			
चाहता			
थोड़ा			
मस्ती			
तरफ़			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

कल्लू, लल्लू, नल्लू कहीं के

छोटी कमली और कल्लू कुत्ता दोस्त हैं। वे साथ खेलते हैं। साथ में चित्र बनाते हैं। कमली हाथों से और कल्लू पैरों से चित्र बनाते हैं। कभी कॉपी पर तो कभी ज़मीन पर। कभी–कभी दोनों एक दूसरे के मुँह पर भी चित्र बना देते हैं। कभी नीले तो कभी पीले रंग से। आज भी कमली चित्र बनाना चाहती थी, मगर कल्लू खेलना चाहता था। कमली बोली, ''थोड़ा काम कर लेते हैं, फिर मस्ती करेंगे।''कल्लू नहीं माना। उसने रंग लगाना शुरू किया। उसने कमली के चेहरे पर लाल मूँछें बना दी। कमली ने उस पर लाल रंग डाल दिया। वह बोली, ''कल्लू कहीं के, लल्लू कहीं के।'' जैसे ही कल्लू नीले रंग की तरफ़ दौड़ा, कमली ने कल्लू पर नीला रंग डाल दिया। अब कमली कहती है, ''कल्लू, लल्लू, नल्लू कहीं के।''

लेखन : अनुराधा

चित्रांकन : पार्थो सेन गुप्ता

कल्लू, लल्लू, नल्लू कहीं के

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 कमली और कल्लू क्या करते थे?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 रंगों का इस्तेमाल कब–कब किया जाता है?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 जब आपको कोई तंग करता है तो आप उससे कैसे बचते हैं ?

.....

.....

.....

.....

प्र.4 जब आपके पास करने के लिए कोई काम नहीं होता है तो उस समय आप क्या करते हैं?

.....

.....

.....

.....

प्र.5 रंग हमारे लिए क्यों ज़रूरी है? सोचकर लिखिए।

.....

.....

.....

.....

जीने का अंदाज़

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
अंदाज़			
टुरकी			
घायल			
घाव			
मरहम–पट्टी			
दर्द			
ख़ुश			
मँडराना			
सिर्फ़			
इठलाना			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

जीने का अंदाज

टुरकी तितली फूलों से रस लेने जा रही थी। रास्ते में उसे एक घायल मधुमक्खी दिखाई दी। मधुमक्खी कराह रही थी। टुरकी उसे अपने घर ले गई। उसने मधुमक्खी के घाव पर मरहम–पट्टी कर दी। कुछ देर बाद मधुमक्खी का दर्द कम हो गया। टुरकी ने उसे कुछ फूल लाकर दिए। फूलों का रस चूस कर मधुमक्खी ठीक हो गई। उसने टुरकी का धन्यवाद किया। उस दिन से दोनों साथ ही फूलों का रस चूसने जाने लगीं। टुरकी हमेशा खुश रहती और मस्त होकर फूलों पर मँडराती रहती। मधुमक्खी उसके जीने के इस अंदाज़ से बहुत खुश हुई। एक दिन उसने टुरकी से पूछा, ''जानती हो तुम्हारा जीवन सिर्फ़ सात दिन का ही है?'' टुरकी हँसते हुए बोली, ''हाँ, मुझे पता है।'' मधुमक्खी ने हैरत से पूछा, ''तब भी तुम इतना ख़ुश कैसे रहती हो?'' टुरकी मुस्कराते हुए बोली, ''यह मेरे जीने का अंदाज़ है।'' ऐसा कहकर वह इठलाती हुई आसमान में उड़ गई। मधुमक्खी भी मुस्कुराते हुए उसके पीछे–पीछे उड़ने लगी।

लेखन : पूजा गौड़

चित्रांकन : नीलेश गहलोदा

जीने का अंदाज

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 मधुमक्खी क्यों कराह रही थी?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 मधुमखी तितली के जीने के अंदाज़ से ख़ुश क्यों थी?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 आपने कितने कीट, पतंगें देखे हैं? उनकी सूची बनाइए ।

....

....

....

प्र.4 क्या आप किसी ऐसे इन्सान को जानते हैं जो हमेशा ख़ुश रहता है? अगर हाँ, तो उसके बारे में लिखिए।

.....

.....

.....

.....

प्र.5 क्या आपने कभी अपने किसी दोस्त की मदद की है? उसके बारे में लिखिए ।

.....

.....

.....

.....

.....

सब्ज़ियों की दोस्ती

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
रोज़ाना			
डर			
सताता			
उदास			
चिंता			
मत			
मुस्कुरा			
चीखा			
कतरनी			
कान खड़े होना			
कोशिश			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

सब्ज़ियों की दोस्ती

दीनू रोज़ बाज़ार में सब्ज़ी बेचने जाता था। उसके पास आलू, भिंडी, कद्दू, तोरई और दूसरी सब्ज़ियाँ होती थीं। ये सभी सब्ज़ियाँ आपस में अच्छी दोस्त थीं। लेकिन रोज़ाना इनको एक–दूसरे से अलग होने का डर सताता रहता था। एक दिन भिंडी उदास होकर बोली, ''आज मैं तुम सबसे दूर चली गई तो?'' आलू बोला, ''नहीं बहन, ऐसा नहीं होगा।'' कद्दू और तोरई एक साथ बोले, ''चिंता मत करो, सब ठीक होगा।'' सभी मुस्करा दिए। तभी कद्दू चीख़ा, ''अरे! देखो कतरनी दादी आई हैं।'' सभी के कान खड़े हो गए। दादी ने पूछा, ''आलू कैसे दिए?'' दुकानदार बोला, ''20 रुपये किलो दादी।'' आलू डर गया। दादी बोली, ''एक किलो दे दो।'' दुकानदार आलू तौलने लगा। भिंडी, कद्दू और तोरई ने कोशिश की, पर आलू को जाने से रोक नहीं पाईं। दादी आगे जाकर अचानक मुड़ी और बोलीं, ''अच्छा, मुझे एक–एक किलो सारी सब्ज़ियाँ दे दो।'' यह सुनकर थैले में पड़े उदास आलू का चेहरा खिल उठा। आलू, भिंडी, कद्दू और तोरई एक साथ थैले में उछलते–कूदते दादी के घर चल दिए।

लेखन : पूजा गौड़

चित्रांकन : नीलेश गहलोदा

सब्ज़ियों की दोस्ती

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 भिंडी क्यों उदास थी?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 आलू का चेहरा क्यों खिल उठा?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 आपको कौन कौन–सी सब्ज़ियाँ खाना पसंद है?

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

प्र.4 दादी के घर जाते समय सारी सब्ज़ियों ने आपस में क्या–क्या बातें की होंगी? सोचें और लिखें।

.....

.....

.....

.....

प्र.5 हमें हरी सब्ज़ियाँ खाना चाहिए, क्यों ? अपनी राय बताएँ ।

.....

.....

.....

.....

.....

भुतहा बाग

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
मोड़			
इंतज़ार			
बुदबुदाई			
गुल			
भुतहा			
बाग			
चुपके			
सहम			
टोली			
ओट			
आहट			
वास्तव			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

भुतहा बाग

रविवार के दिन कोको नहा–धोकर घर से निकली। गली के मोड़ पर सभी दोस्त उसका इंतज़ार कर रहे थे। बूढ़ी दादी बुदबुदाई, ''पता नहीं आज यह टोली क्या गुल खिलाएगी?'' कोको और उसके दोस्त एक बाग में पहुँचे। बाग का नाम था 'भुतहा बाग।'

उस बाग में जाने से लोग डरते थे। उनका कहना था कि उस बाग में भूत रहता है। बच्चे चुपके से बाग में पहुँचे। कोको सबसे आगे थी। अचानक एक आवाज़ आई। बच्चे सहम गए। सभी ने एक दूसरे का हाथ कसकर पकड़ लिया। आवाज़ एक बड़े पीपल के पेड़ की तरफ़ से आ रही थी। कोको और उसकी टोली पेड़ के पीछे पहुँच गई। पेड़ की ओट में कोई छुपा बैठा था। वह अजीब–सी आवाज़ें निकाल रहा था। बच्चों की आहट से ओट में छुपे आदमी ने मुड़कर देखा। बच्चे एक साथ चिल्ला पड़े, ''हरिया काका आप! आप भूत बनकर हमें डरा रहे थे?''

वास्तव में बाग के माली हरिया काका ही भूत बनकर लोगों को डराया करते थे। उस बाग में सुंदर–सुंदर फूल और तरह–तरह के फल वाले पेड़ थे, इसलिए वह नहीं चाहते थे कि कोई बाग में आए।

भुतहा बाग़

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 सभी बच्चे गली के मोड़ पर क्यों इकट्ठा हुए थे?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 बाग का नाम 'भुतहा बाग' क्यों था?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 'बाग' नाम पढ़कर आपके दिमाग में जो शब्द आ रहे हैं, उन्हें लिखिए।

....

....

....

प्र.4 माली काका भूत बनकर सबको क्यों डराते थे?

.....

.....

.....

प्र.5 क्या आपने कभी किसी को डराया है? उस अनुभव के बारे में लिखिए ।

.....

.....

.....

.....

कबूतर के चूज़े

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
उकता			
चूज़े			
नाश			
कोंपलें			
उखाड़			
रूप			
तहस–नहस			
तिनके			
चिंता			
दाना–पानी			
मँडराने			
पहरेदार			
निगरानी			
लायक़			
गर्व			
सिखा			
छज्जे			
लगन			
ज़िम्मेदारी			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

कबूतर के चूज़े

हमारे पड़ोस में कबूतर या कौओं की कमी नहीं है। मैं उनसे उकता चुकी हूँ। कबूतर मेरे गमले के हर पौधे का नाश कर देते हैं। पहले मुझे लगा कि नई कोंपलें खा रहे हैं लेकिन नहीं, वे तो उनको उखाड़ देते हैं। कितना ग़ुस्सा आता है इन पर! सब जगह गंदगी फैलाते हैं।

आप तो जानते ही होंगे, कबूतर घोंसला बनाने की मेहनत नहीं करते। अगर बना भी लिया तो उसका कोई रूप नहीं होता। मेरे गमले का एक पौधा तहस–नहस करके उन्होंने वहाँ दो–तीन तिनके लाकर रख दिए। उन पर कुछ तार के टुकड़े डाल दिए और दे दिए अंडे। दूसरे ही दिन कौए ने एक अंडा चुरा लिया। इसकी चिंता भी मुझे ही करनी थी। मैंने ही गमले को छाँव में रखा। कौए से बचाने के लिए बाहर की तरफ़ परदा लगा

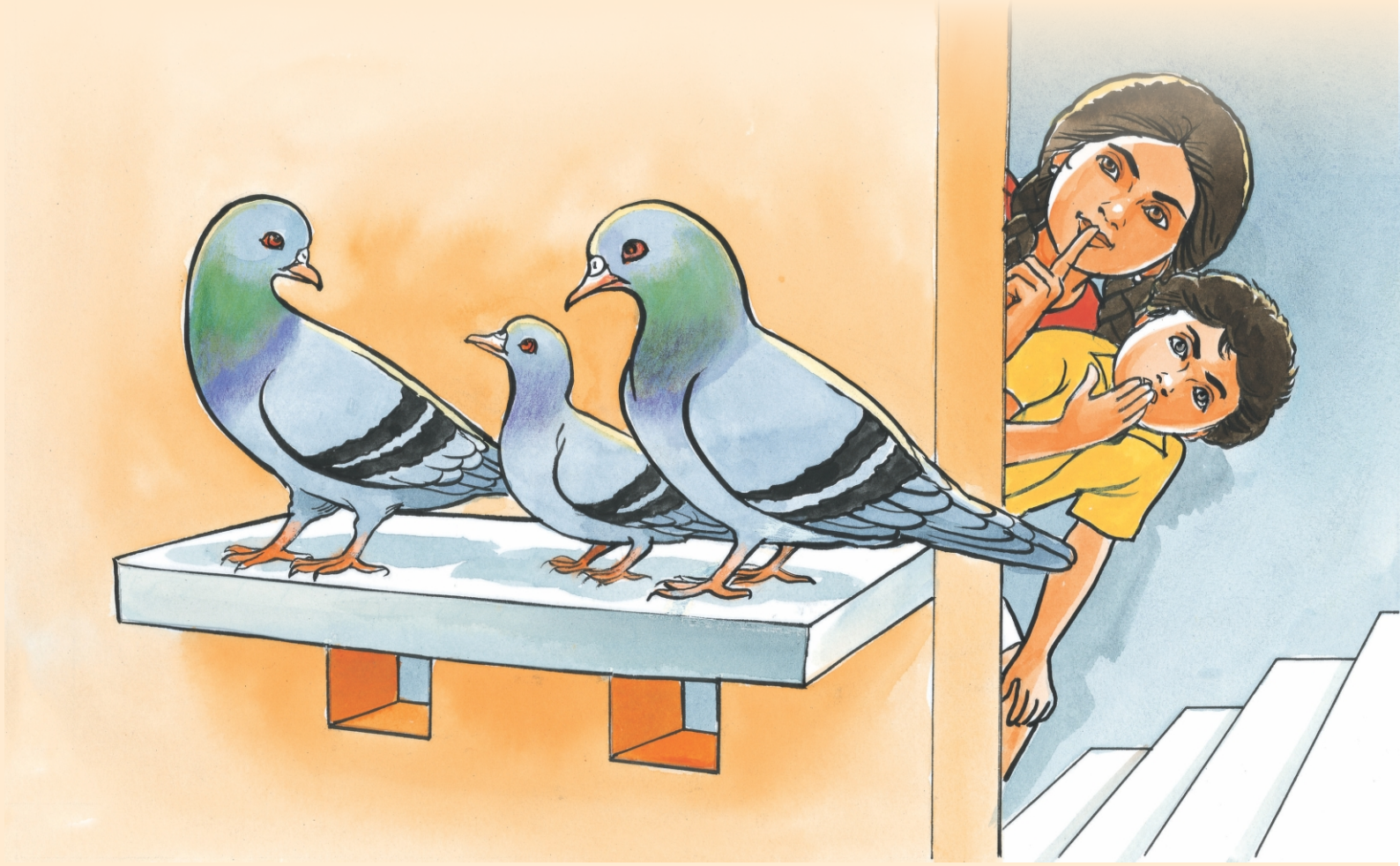

लेखन : मीरा तेन्दूलकर

चित्रांकन : पार्था सेनगुप्ता

दिया। कबूतरों के लिए भी दाना–पानी वहीं रख दिया ताकि उन्हें घोंसले से दूर न जाना पड़े। अब घोंसले में दो अंडे थे।

कुछ दिनों बाद घोंसले से दो चूज़े बाहर आए। कौए फिर से आस–पास मँडराने लगे। अब मुझे और मेरे भाई को पहरेदार बनना ही पड़ा। हमने मिलकर निगरानी शुरू कर दी। कुछ ही दिनों में दोनों चूज़े उड़ने लायक़ हो गए। कबूतर और उसके साथी पर मुझे बहुत गर्व हुआ। दोनों मिलकर अपने दोनों चूज़ों को उड़ना सिखा रहे थे। उड़ने का पहला पाठ पास वाले छज्जे पर पढ़ाया गया। एक पाली में वे एक ही चूज़े को ले जाते। कबूतर चूज़े की दोनों ओर बैठ जाते। खिड़की की जाली तक चूज़े को बुलाया जाता। काफ़ी देर उनकी ग़ुटरग़ूँ चलती। फिर तीनों एक साथ उड़ जाते। उड़ान भरते समय दोनों चूज़े के बिलकुल क़रीब रहते। अपने चूज़े को उड़ना सिखाने के लिए उनकी लगन और कोशिश को देखकर मेरा मन भर आया।

''चलो अब मेरी ज़िम्मेदारी पूरी हुई,'' यह सोचकर मैं चिंता से मुक्त हो गई। लेकिन यह क्या! अब कौओं ने घोंसला बनाना शुरू कर दिया था!

कबूतर के चूज़े

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 लेखिका और उसके भाई को पहरेदार क्यों बनना पड़ा?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 'हमारे पड़ोस में कबूतर और कौओं की कमी नहीं मैं उनसे उकता चुकी हूँ।' यहाँ पर 'मैं' शब्द किसके लिए इस्तेमाल किया गया है?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 लेखिका कौओं और कबूतरों से क्यों उकता चुकी थी? अपने शब्दों में लिखिए।

.....

.....

.....

प्र.4 लेखिका को किस पर और क्यों गर्व हुआ?

.....

.....

.....

प्र.5 'चलो अब मेरी ज़िम्मेदारी पूरी हुई' लेखिका ने ऐसा क्यों कहा? अपनी राय लिखिए।

.....

.....

.....

.....

पटना–कलम

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
बदहवास			
कार्यालय			
संतरी			
रपट			
मशगूल			
टोका–टोकी			
बर्दाश्त			
चेहरा तमतमा			
टस से मस			
इतिहास			
महत्वपूर्ण			
नायाब			
चित्र–शैली			
जन–जीवन			
उत्साहपूर्वक			
शैली			
अभ्रक			
कलाकार			
ऐतिहासिक धरोहर			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

पटना–कलम

वे दोनों बदहवास एस.पी. कार्यालय में घुसे और सामने खड़े संतरी को बताने लगे, ''पटना–कलम खो गई। रपट लिखवानी है।''

संतरी ने दोनों को ऊपर से नीचे तक देखा, फिर कहा, ''सामने वाले कमरे में चले जाओ।''

कमरे में घुसे तो देखा कि साहब फोन पर बात कर रहे हैं। जब बहुत देर तक साहब ने फोन बंद नहीं किया तो वे जल्दी–जल्दी बोलने लगे, ''साहब! पटना कलम खो गई... कोतवाली से आ रहे हैं...। वहाँ रपट नहीं लिखी गई।'' साहब ने बैठने का इशारा किया और फिर से फोन पर बात करने में मशगूल हो गए।

''साहब थोड़ा जल्दी करें?'' उन दोनों में से एक ने विनती की। इस टोका–टोकी को साहब बर्दाश्त नहीं कर पाए। चेहरा तमतमा गया। ''बैठिए, देख नहीं रहे, मैं फोन पर बात कर रहा हूँ।'' दोनों ने एक दूसरे को देखा और सिर झुका लिया।

साहब ने लंबी बातचीत करने के बाद फोन रखते हुए कहा, ''कलम खोने की रपट लिखाने आए हैं आप? कलम ही थी, इधर–उधर रख दी होगी आपने। जाइए आस–पास खोजिए, मिल जाएगी।'' जब वे टस से मस नहीं हुए तो साहब ने पूछा, ''क्या बहुत कीमती कलम थी?''

''जी हाँ, पटना–कलम काफ़ी कीमती है।'' दूसरे ने बात को आगे बढ़ाया, ''पटना–कलम ऐतिहासिक कलम है... यह लगभग दो सौ वर्षों का इतिहास समेटे हुए है। अब इसके बनाने वाले भी नहीं बचे।''

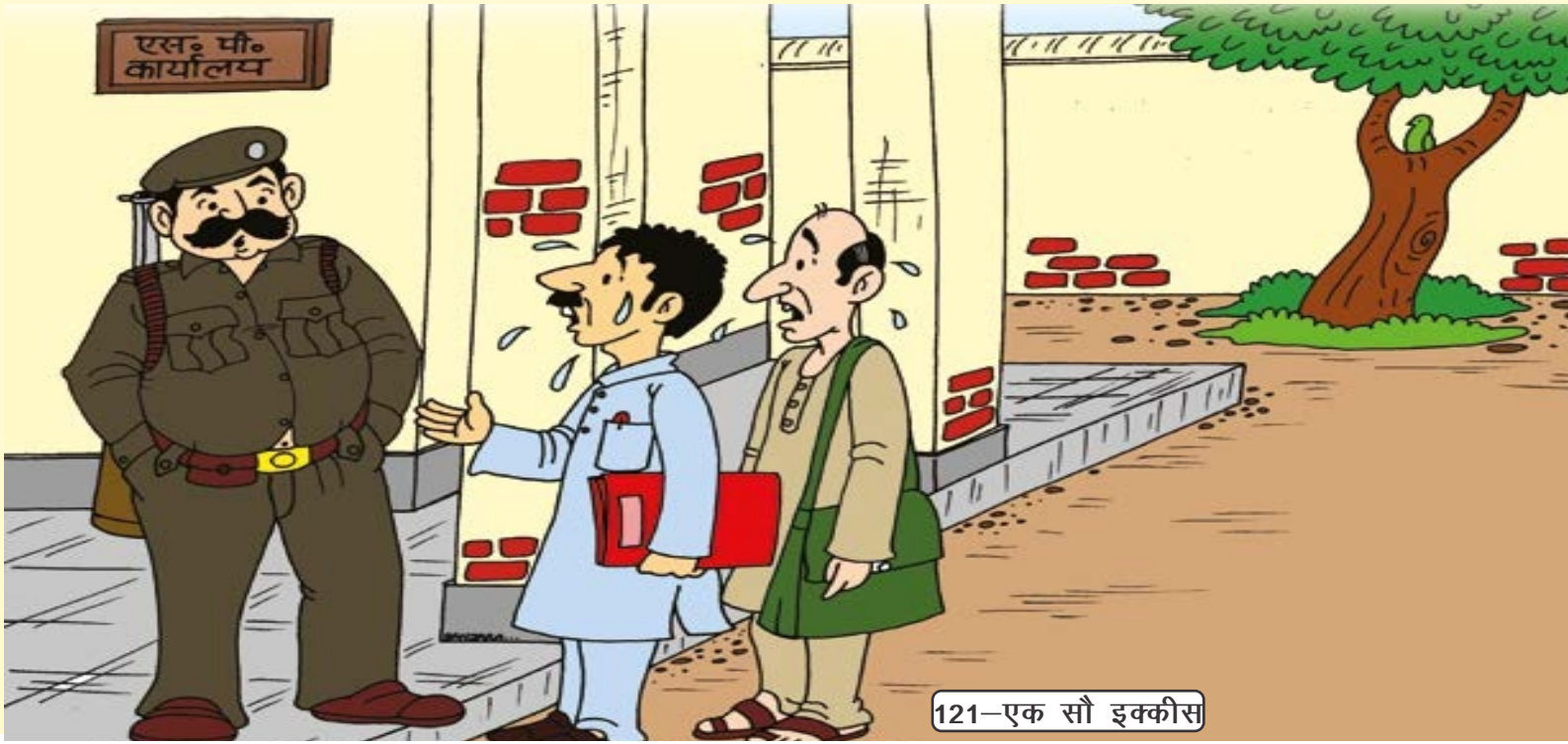

''अच्छा! तब तो काफ़ी महत्त्वपूर्ण कलम रही होगी जो दो सौ वर्षों तक चली... पर थी तो कलम ही न?'' पहले ने एक साँस में साहब को फिर से समझाना शुरू किया, ''साहब, आप जिसे सिर्फ़ कलम समझ रहे हैं वह लिखने वाली कलम नहीं थी बल्कि एक नायाब चित्र–शैली थी पटना की, जिसमें यहाँ के जन–जीवन, रहन–सहन, रीति–रिवाज, जन्म–मरण आदि को चित्रों के माध्यम से दर्शाया जाता था।''

''अच्छा तो यह बात है...'' साहब को बात कुछ–कुछ समझ में आने लगी थी।

दूसरे ने बात को उत्साहपूर्वक आगे बढाया, ''इस शैली के चित्रकार तूलिका से लेकर रंगों तक का निर्माण स्वयं करते थे। काग़ज़, हाथीदाँत और अभ्रक पर चित्र बनाते थे। लघु चित्रों में आम–आदमी और उसके रोज़नामचे...''

साहब ने बीच में ही बात काटते हुए कहा, ''ऐसे कहिए न कि चित्र खो गया है। बताइए किस कलाकार का चित्र था?''

''बहुत सारे कलाकार थे साहब! शुरुआत में हुलास लाल थे, फिर जयराम दास, झुमक लाल, फ़क़ीर चन्द लाल, टुन्नीलाल, शिवलाल, शिवदयाल, मुकुंदलाल, गोपाल लाल, गुरु सहाय लाल, बन्नी लाल, कन्हैया लाल, जय गोविन्द लाल, दक्षो बीबी, सोना कुमारी, बहादुर लाल, यमुना प्रसाद, महादेव लाल, ईश्वरी प्रसाद वर्मा...''

''रुकिए, रुकिए'' साहब हड़बड़ाकर बोले, ''इतने आदमी थे तब तो काम आसान हो गया।''

''वह कैसे?''

''इनमें से किसी एक को झट से पकड़ लीजिए और चट से एक चित्र बनवा लीजिए...''

''मगर साहब....'' पहले ने कुछ कहना चाहा तो दूसरे ने रोक दिया। चुपचाप बाहर आकर दूसरे ने पहले को समझाया, ''मैंने तुम से कहा था न कि यहाँ आने से कोई फ़ायदा नहीं.... पटना–क़लम को वापस लाना साहब लोगों के वश की बात नहीं... हमको ही यह काम करना होगा...'' दोनों निकल पड़े ऐतिहासिक धरोहर को ढूँढने।

पटना–क़लम

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 लोग किस बात की रपट लिखवाने आए थे?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 "पटना क़लम" क्या थी? अपने शब्दों में समझाए।

.....

.....

.....

.....

प्र.3 काफ़ी समय पहले चित्र या ऐतिहासिक पेंटिंग किससे और किस पर बनाई जाती थी?

....

....

....

प्र.4 इस पाठ में पटना क़लम से जुड़े हुए कई कलाकारों के नाम बताए गए हैं। ऐसे ही आप भी कुछ कलाकारों के नाम जो किसी कला से जुड़े हैं, लिखिए?

.....

.....

.....

प्र.5 आपको क्या लगता है 'पटना क़लम' दोनों दोस्तों को मिली होगी? उन्होंने ढूँढने के लिए क्या किया होगा?

.....

.....

.....

.....

आलू

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
कुनबा			
मस्ती			
पेरू–बोलीविया			
टिटीकाका झील			
सभ्यता			
मामा जाथा			
विकास			
व्यापारी			
पैदावार			
विस्तार			
प्रतिशत			
स्टार्च			
प्रोटीन			
विटामिन 'सी'			
बर्गर			
चिप्स			
फ्रेंच फ्राई			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

आलू

"आलू आलू, कुनबा पालू, मोटा आलू, पिलपिला आलू, मोटा कचालू" पिकनिक पर बच्चे मस्ती में तुक भिड़ा रहे थे। उन्होंने आलू के चिप्स का पैकेट महेश सर की तरफ़ बढ़ाया, "लीजिए सर।"

"आलू की कहानी सुनोगे?" सर ने चिप्स लेते हुए पूछा।

"जी सर!" सभी बच्चे चिल्लाए।

"आलू दुनिया के हर कोने में खाया जाता है। इसकी खेती आज से लगभग आठ हज़ार साल पहले शुरू हुई। दक्षिण अमेरिका में पेरू–बोलीविया की सीमा पर टिटीकाका झील है, वहीं सबसे पहले आलू बोया गया। वहाँ की 'इंका' सभ्यता में इसे 'मामा जाथा' यानी 'विकास की माँ' कहते थे। 1532 में स्पेनी व्यापारी

इसे स्पेन ले गए। वहाँ से आलू यूरोप और फिर दुनियाभर में पहुँचा। सबसे ज़्यादा आलू की पैदावार चीन, रूस और भारत में होती है। भारत में आलू उत्तर प्रदेश, बिहार और उड़ीसा में अधिक होता है।" सर ने आलू के बारे में विस्तार से बताया।

"क्या चकाचक नाम है" कहकर बच्चे खिलखिलाकर हँस पड़े।

"आलू का पौधा ज़मीन के ऊपर होता है, पर इसका जो भाग हम खाते हैं, वह ज़मीन खोदकर निकाला जाता है। एक पौधे में 20 आलू तक निकल आते हैं। कहते हैं, 'अधिक आलू खाने से मोटापा आता है।' ऐसी बात नहीं है। मोटापा इसे तेल में तलने के कारण होता है, उबला और भुना आलू खाने से नहीं। आलू में बहुत सारे गुण हैं। आलू में 80 प्रतिशत पानी और 20 प्रतिशत सूखा भाग होता है। सूखे भाग में 60 से 80 प्रतिशत तक स्टार्च यानी माँड होता है। यह हमारे शरीर को ताक़त देता है। वसा, चिकनाई न के बराबर, प्रोटीन दाल के बराबर होता है। आलू को छिलके समेत खाने से विटामिन 'सी' मिलता है" सर ने आलू के बारे में और भी जानकारी दी।

"आलू तो बड़े काम की चीज़ है" बच्चे बोले।

"हाँ! आलू आसानी से मिलने वाली, कम क़ीमत की सब्ज़ी है" सर ने आलू के बारे में कुछ और मज़ेदार जानकारी दी। "हमारे लिए तो समोसे से बर्गर तक, चिप्स से फ्रेंच फ़्राई तक आलू जैसा कोई नहीं" बच्चे हँस पड़े।

लेखनः शशी जैन

चित्रांकनः अमर सोनी

आलू

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 आलू को 'इंका' सभ्यता में क्या कहा जाता था?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 आलू की खेती सबसे पहले कहाँ और कब शुरू हुई?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 इस पाठ में आलू की किस–किस विशेषता के बारे में बताया गया है?

.....

.....

.....

.....

प्र.4 आलू की सबसे ज़्यादा पैदावार किन देशों में होती है?

.....

.....

.....

प्र.5 इस पाठ से आपको जो जानकारियाँ मिली हैं उन्हें क्रमानुसार लिखिए।

.....

.....

.....

.....

सबसे ज़रूरी काम

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
पुरुष			
स्त्री			
दुबले			
वैज्ञानिकों			
जीवन			
आमतौर			
प्रोटीन			
वसा			
लायक			
समाज			
सूची			
व्यवस्था			
देखभाल			
इंतजाम			
दिनचर्या			
ताक़त			

निर्देश : प्रिय दोस्तों, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

सबसे ज़रूरी काम

ऐसी कौन–कौन सी चीजें हैं, जिनकी हम सभी को जरूरत पड़ती है? चाहे हम छोटे हों या बड़े, पुरुष हों या स्त्री, मोटे हों या दुबले, हिंदी बोलते हों या जापानी, कुछ चीज़ों के बिना हम रह नहीं सकते।

सबसे पहले तो हवा है। हवा के बिना हम साँस नहीं ले पाएँगे। वैज्ञानिकों का कहना है कि हम हवा के बिना तीन मिनट से ज़्यादा ज़िंदा नहीं रह पाएँगे। पानी भी जीवन के लिए ज़रूरी है। आमतौर पर कोई पानी के बिना तीन दिन से ज़्यादा नहीं जी पाएगा।

अगली चीज़ तो आपने सोच ही ली होगी और आपने ठीक ही सोचा कि वह है खाना। खाना हमें अपने जीवन में सब काम करने की ताक़त देता है। रोटी, दाल, सब्ज़ी, फल, दूध–दही व माँस–मछली से हमें कार्बोहाइडरेट्, प्रोटीन व वसा मिलते हैं। हमारा शरीर इनकी मदद से सब अंगों को चलाता है। इससे

हम दौड़ने–भागने, पढ़ने और घर, खेत या दफ़्तर के काम करने के लायक बन पाते हैं।

क्या आप जानते हैं हमारे समाज में दिन भर में सब से ज़्यादा घंटों तक औरतें काम करती हैं? आमतौर पर वे परिवार में सब से पहले उठती हैं और सब से बाद में सोती हैं। हम उनके कामों की गिनती शुरू करें तो सूची बहुत लम्बी होगी। घर में सब के लिए खाने–पीने की व्यवस्था, घर और कपड़ों की साफ़–सफ़ाई, बच्चों–बूढों की देखभाल, पशुओं के लिए चारा–पानी का इंतज़ाम औरतों की दिनचर्या का हिस्सा हैं। इनके साथ बाहर का काम जैसे, खेत का काम या नौकरी करती हुईं भी औरतें नजर आ जाएँगी।

आपको यह जान कर हैरानी होगी कि बहुत से देशों में औरतों को औरों से कम खाना मिलता है। वे सबको खाना खिलाने के बाद जो बचता है, उसी से काम चलाती हैं। ऐसा क्यों है? हवा पानी और खाने की ज़रूरत हम सभी को है। औरतें तो औरों से ज़्यादा काम करती हैं। उनके शरीर को भी उतनी ही ताक़त चाहिए। उनके काम के पैसे उन्हें नहीं मिलते, क्या सिर्फ़ इसलिए उनके काम को काम नहीं समझा जाता? ज़रा सोचिए! अगर वे यह सारे काम बंद कर दें तो क्या हमारा परिवार और हमारी दुनिया चल पाएगी?

सबसे ज़रूरी काम

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 हमारे शरीर को काम करने की ताक़त किन–किन चीज़ों से मिलती है?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 वैज्ञानिकों के अनुसार हम हवा के बिना कितनी देर तक जिंदा रह सकते हैं?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 आपके घर के सदस्य कौन–कौन से काम करते हैं?

.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

प्र.4 शरीर को ज़रूरत अनुसार भोजन न मिले तो क्या होगा?

.....

.....

.....

प्र.5 औरतें काम करना बंद कर दें तो परिवार व समाज में क्या होगा?

.....

.....

.....

.....

तिरंगा चार्ट

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
विकास			
कमज़ोर			
स्वस्थ			
सेहत			
टीकाकरण			
चार्ट			
तालिका			
कुपोषण			
कुपोषित			
वज़न			
क्षेत्र			
देखभाल			
ज़रूरत			
कि.ग्रा.			
शारीरिक विकास			
मुफ़्त			
उत्साहित			
मुश्किल			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

तिरंगा चार्ट

एक दिन पूजा और नेहा आपस में बातें कर रही थीं। पूजा ने कहा, ''लता के बेटे का विकास ठीक से नहीं हो रहा है। वह बहुत कमज़ोर लगता है।" नेहा ने जवाब दिया, ''ठीक कह रही हो, उसका बड़ा बेटा तो बहुत स्वस्थ लगता है।'' पूजा ने फिर कहा, ''लेकिन हमें कैसे पता चलेगा कि उसका बच्चा स्वस्थ है या नहीं। देखकर तो सेहत का सही–सही पता नहीं लगाया जा सकता है।'' नेहा ने कहा, "चलो, आँगनवाड़ी वाली दीदी के पास चलते हैं और पूछते हैं।''

दोनों दीदी के पास पहुँच गईं। पूजा ने उनसे पूछा, ''दीदी! हमारी एक सहेली है, लता। उसका बच्चा देखने में बहुत कमज़ोर लगता है। हमें यह कैसे पता चलेगा कि उस बच्चे का विकास ठीक से हो भी रहा है या नहीं?'' दीदी ने मुस्कराते हुए कहा, ''अभी बताती हूँ।'' उन्होंने टीकाकरण कार्ड खोला और एक चार्ट दिखाया और कहा, ''यह है ग्रोथ–चार्ट यानी बच्चों का विकास बताने वाली तालिका।

इसमें आपको तीन रंग नजर आ रहे हैं–हरा, पीला और लाल। हरा रंग आपके बच्चे को स्वस्थ बताता है। पीले रंग का मतलब है बच्चा कुपोषण की ओर बढ़ चुका है और लाल रंग का मतलब है बच्चा कुपोषित है। यदि बच्चे का वज़न पीले या लाल क्षेत्र में है तो उसे अधिक देखभाल की ज़रूरत है। उसके खाने–पीने और साफ़–सफ़ाई का ध्यान रखने की अधिक ज़रूरत है। जन्म के समय बच्चे का वज़न कम–से–कम ढाई किलोग्राम होना चाहिए। अगर वज़न कम होगा तो उसके शारीरिक विकास में कमी आएगी। इसलिए बच्चे का सही

वजन जानना ज़रूरी है।'' नेहा ने यह सुनते ही कहा, ''वज़न कराते रहना तो बहुत झंझट का काम है।'' दीदी ने फ़ौरन जवाब दिया, ''इसमें कोई झंझट नहीं। पास के आंगनवाड़ी केंन्द्र में जाओ। वहाँ बच्चों का वज़न करा सकती हो, वह भी बिल्कुल मुफ़्त!''

''मुफ़्त!'' दोनों सहेलियों के मुँह से एक साथ निकला। दीदी हँस पड़ी, ''हाँ। बिल्कुल मुफ़्त!'' पूजा उत्साहित होकर बोली, ''अब तो लता के बेटे के विकास का सही–सही पता लगाना मुश्किल नहीं होगा।'' नेहा ने भी उसकी हाँ में हाँ मिलाई और दोनों सहेलियाँ लता के घर की ओर चल पड़ीं।

तिरंगा चार्ट

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 नेहा और पूजा आपस में क्यों बातें कर रही थी?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 कुपोषित बच्चे में कौन–कौन सी बीमारियाँ हो सकती हैं?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 बच्चा कुपोषित न हो इसके लिए आप क्या करेंगे?

....

....

....

प्र.4 दीदी ने ग्राफ चार्ट से क्या समझाया?

.....

.....

.....

प्र.5 नेहा ने ऐसा क्यों कहा कि यह बहुत झंझट का काम है?

.....

.....

.....

.....

अलग-अलग समय

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इनमें से कितने शब्दों के अर्थ जानते हैं या इनसे परिचित हैं? उन शब्दों के सामने सही (✓) का निशान लगाइए और उनके अर्थ लिखिए।

शब्द	पहले से जानते हैं	समूह में बातचीत के बाद जाना	अर्थ लिखिए
प्रार्थना			
ख़बर			
दक्षिण अफ्रीका			
दिवसीय			
स्थानीय समय			
अनुसार			
डरबन			
शुरू			
अनायास			
सहेली			
हैरानी			
बेचैनी			
आँखें			
मटका			
सूर्योदय			
सूर्यास्त			
स्थान			
झेंप			

निर्देश : प्रिय दोस्तो, पाठ पढ़ने से पहले इन शब्दों को ज़रूर पढ़ें और इनके अर्थ जानने का प्रयास करें। अब आप अपने–अपने समूह में इन शब्दों पर बातचीत करें। ये प्रक्रिया पाठ को पढ़कर समझने में आपकी सहायता करेगी।

अलग-अलग समय

वाशी से हेड मैडम ने प्रार्थना सभा में ख़बर पढ़कर सुनाने को कहा है। इसके लिए वह अख़बार में ख़बरें ढूँढने लगी। उसे खेल की ख़बर अच्छी लगी और उसने चुन ली, 'भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक दिवसीय क्रिकेट मैच आज स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 1:30 बजे से डरबन में होगा।' वाशी सोचने लगी कि जब मैच शुरू होगा, तब क्या भारत में कुछ और समय होगा?

प्रार्थना के बाद वाशी ने ख़बरें पढ़ीं। सभी बच्चों के साथ वह भी अपनी कक्षा में आ गई। वाशी ने कहीं पढ़ा था कि जब जापान में सूरज उगता है, तब भारत में रात होती है। वह सोचने लगी कि ऐसा कैसे होता है? वह अनायास ही अपनी सहेली लुबना की ओर मुड़ी और बोली, "धरती के एक भाग में दिन

और दूसरे भाग में रात तो पृथ्वी की अपनी धुरी पर घूमने से होती है न? यहाँ, किताब में तो यही लिखा है।" "क्यों क्या हुआ?" लुबना ने हैरानी से पूछा। "लेकिन अलग–अलग जगह अलग–अलग समय कैसे होता है? अख़बार में लिखा था कि मैच स्थानीय समय से डेढ़ बजे होगा। इसका मतलब है कि दक्षिण अफ्रीका में जब डेढ़ बजेंगे, तब मैच होगा?"

"अलग–अलग समय, जब वहाँ डेढ़ बजेगा तो क्या यहाँ अलग समय होगा? हमारे यहाँ डेढ़ कब बजेगा?" वाशी को बेचैनी–सी हो रही थी। "वाशी, अगर सूरज अलग–अलग समय उगता है तो वहाँ और यहाँ डेढ़ एक साथ तो नहीं बजेगा ना, क्यों?" लुबना ने आँखें मटका कर कहा। "बात तो सही है।" "अब बात सूरज के उगने पर आकर अटकी है।" "शायद उसी को स्थानीय समय कहते हैं।" वाशी की समझ में कुछ–कुछ बातें आने लगीं। "याद है मैम ने कहा था कि किसी भी जगह सूर्योदय और सूर्यास्त होने के समय सबसे लम्बी छाया पड़ती है और जब सबसे छोटी छाया पड़े, तब दोपहर के ठीक 12 बजते हैं?" "हाँ याद है।" "तो वही उस स्थान का स्थानीय समय होगा? क्योंकि पृथ्वी पर अलग–अलग स्थानों पर सूर्योदय अलग–अलग समय पर होता है, सभी जगहों का स्थानीय समय भी अलग–अलग होगा, है ना?" "अब आई बात समझ में!" वाशी ख़ुशी के मारे इतनी ज़ोर से बोली कि कक्षा के सब बच्चे मुड़कर देखने लगे। वाशी ज़रा झेंप गई। फिर दोनों सहेलियाँ हँसने लगीं।

अलग–अलग समय

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.1 वाशी ने अख़बार में से क्या ख़बर पढ़कर सुनाई?

.....

.....

.....

.....

प्र.2 अख़बार पढ़कर वाशी किस सोच में पड़ गई?

.....

.....

.....

.....

प्र.3 अख़बार में लिखा था, 'मैच स्थानीय समय से डेढ़ बजे होगा।' यहाँ 'स्थानीय समय' से आप क्या समझते हैं?

.....

.....

.....

.....

प्र.4 "सूर्योदय" और "सूर्यास्त" से आप क्या समझते हैं?

.....

.....

.....

प्र.5 दिन व रात कैसे होते हैं?

.....

.....

.....

Notes

1 से 10 तक पहाड़े

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2	4	6	8	10	12	14	16	18	20
3	6	9	12	15	18	21	24	27	30
4	8	12	16	20	24	28	32	36	40
5	10	15	20	25	30	35	40	45	50
6	12	18	24	30	36	42	48	54	60
7	14	21	28	35	42	49	56	63	70
8	16	24	32	40	48	56	64	72	80
9	18	27	36	45	54	63	72	81	90
10	20	30	40	50	60	70	80	90	100

बारहखड़ी 1

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः

च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः

ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः

त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः

गिनती चार्ट

1	11	21	31	41	51	61	71	81	91
2	12	22	32	42	52	62	72	82	92
3	13	23	33	43	53	63	73	83	93
4	14	24	34	44	54	64	74	84	94
5	15	25	35	45	55	65	75	85	95
6	16	26	36	46	56	66	76	86	96
7	17	27	37	47	57	67	77	87	97
8	18	28	38	48	58	68	78	88	98
9	19	29	39	49	59	69	79	89	99
10	20	30	40	50	60	70	80	90	100

बारहखड़ी 2

द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः

प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः

य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः

ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः